कार्तिक शुक्ल - 7 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 104 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 08-11-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

भाजपा ने 'जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा' की मांग वाले प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल करने संबंधी प्रस्ताव पारित करने को संविधान का गला घोंटने का दुस्साहस करार दिया और कहा कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का भारत को बांटने का प्रयास कभी सफल नहीं होगा।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी की वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने यह सवाल भी किया कि क्या कांग्रेस नीत 'इंडिया' गठबंधन जम्मू-कश्मीर के 'आर्थिक और संवैधानिक हितों' के साथ-साथ उन अधिकारों के खिलाफ है जो अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को खत्म करने के बाद आदिवासियों, दलितों, अन्य पिछड़ा वर्गों, महिलाओं और बच्चों को मिले हैं। उन्होंने कहा, ''वे अपने लिए विशेष दर्जा चाहते हैं, जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए नहीं।'' जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने बुधवार को पूर्ववर्ती राज्य का विशेष दर्जा बहाल करने के लिए केंद्र और निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने की मांग वाला प्रस्ताव पारित किया था। इसके बाद से भाजपा ने उमर अब्दुल्ला सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने के बावजूद

कांग्रेस जम्मू-कश्मीर सरकार का हिस्सा नहीं है। दोनों दल 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' के घटक हैं। भाजपा सदस्यों ने प्रस्ताव के खिलाफ बृहस्पतिवार को भी जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विरोध जारी रखा। हंगामा देख विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर के निर्देश पर पार्टी के तीन विधायकों को सदन से बाहर कर दिया गया। ईरानी ने कहा, ''आज, मैं एक भारतीय नागरिक के नाते यहां हूं और कांग्रेस नीत 'इंडिया' गठबंधन द्वारा सदन में ऐसा प्रस्ताव लाने के प्रयास से क्षुब्ध हूं जो भारतीय संविधान और उच्चतम न्यायालय की राय के खिलाफ है।'' उन्होंने कहा, ''मैं आज भारत के लोगों और भाजपा के कार्यकर्ताओं की नाराजगी में शामिल होकर यह बात बोल रही हूं।'' ईरानी ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व में 'इंडिया' गठबंधन द्वारा पारित प्रस्ताव कई सवाल उठाता है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस नेतृत्व, विशेष रूप से गांधी परिवार को जवाब देने की जरूरत है कि क्या वे आतंकवाद के पक्ष में हैं और जम्मू-कश्मीर के विकास के खिलाफ खड़े हैं? क्या वे संविधान का पालन करने के बजाय भारत को तोड़ने के लिए खड़े हैं। खासकर झारखंड और महाराष्ट्र में कांग्रेस नेतृत्व को इस सवाल का जवाब देना होगा कि क्या वे उन नागरिकों की वीरता के खिलाफ खड़े हैं, जिन्होंने हमारी बेहतर सुरक्षा के लिए भारतीय सशस्त्र बलों में वर्दी पहनी है।''

महायुति सरकार विफल, जनता इसे हटाए : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राकांपा (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र की महायुति सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह किसानों के हितों की रक्षा, महिलाओं की सुरक्षा और रोजगार उपलब्ध कराने में विफल रही है तथा उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे उन्हें सत्ता से उखाड़ कर फेंक दें। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधा और उन पर एक विशेष राज्य के हित में काम करने का आरोप लगाया।

पवार यहां राकांपा (शरदचंद्र पवार) के नागपुर पूर्व से उम्मीदवार दुनेश्वर पेठे के लिए एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को होने हैं। उन्होंने कहा, नागपुर का कांग्रेस और उसकी विचारधारा के साथ गहरा रिश्ता है, जहां वसंतराव नाइक और सुधाकरराव नाइक जैसे विदर्भ के नेताओं ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया और राज्य को सशक्त बनाया।

पवार ने कहा कि आज जो लोग सत्ता में हैं, वे किसानों की समस्याओं को हल करने में विफल रहे हैं और विदर्भ में किसानों द्वारा आत्महत्या करने का आंकड़ा बहुत बड़ा है। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को आत्महत्या का रास्ता इसलिए अपनाना पड़ा क्योंकि सरकार ने उनके मुद्दों को हल नहीं किया।

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले लोगों के जीवन स्तर पर एक रिपोर्ट सामने आई थी। पवार ने कहा, एक समय था जब जीवन स्तर के मामले में महाराष्ट्र देश में पहले स्थान पर था। हालांकि, भाजपा के सत्ता में आने के बाद यह छठे स्थान पर खिसक गया।

भाजपा ने मुख्यमंत्री सावंत के नेतृत्व में गोवा की राजनीतिक स्थिरता को मजबूती दी : पार्टी नेता

पणजी/भाषा। गोवा में स्थिर सरकार देने की कोशिश के लिए मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की उनकी पार्टी के सहयोगियों और राजनीतिक विश्लेषकों ने प्रशंसा की है। वह गोवा को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद इसके सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले व्यक्ति बन गए हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि गोवा विधानसभा अध्यक्ष रमेश तावड़कर द्वारा भाजपा में शामिल होने वाले कांग्रेस के आठ विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिका को खारिज करने के हालिया फैसले ने तटीय राज्य की राजनीतिक स्थिरता को और मजबूत कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सावंत ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर के निधन के बाद 19 मार्च 2019 को राज्य की बागडोर संभाली और 2022 के चुनाव में पार्टी को जीत मिली। वह 1987 में गोवा को राज्य का दर्जा मिलने के बाद प्रदेश के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री पद पर आसीन व्यक्ति बन गए हैं। वह अब पांच साल और 231 दिनों से लगातार पद पर हैं। इससे पहले, जब गोवा केंद्र शासित प्रदेश था तब इसके पहले मुख्यमंत्री दयानंद बंदोदकर ने छह साल और 129 दिनों तक लगातार राज्य पर शासन किया था। उनकी बेटी शशिकला काकोडकर पांच साल और 258 दिनों तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठीं जबकि प्रतापसिंह राणे सात साल और 134 दिनों तक मुख्यमंत्री रहे थे। स्थानीय राजनीतिक विश्लेषक सिद्धार्थ सामंत ने कहा कि राज्य के विकास के लिए स्थिरता अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य के मत्स्य पालन मंत्री नीलकांत हलर्नकर 2019 में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए थे।

कांग्रेस का दुष्प्रचार अभियान विफल हो गया, लोग सच जानते हैं : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि संविधान को लेकर कांग्रेस का ''दुष्प्रचार अभियान'' विफल हो गया है। उन्होंने लोकसभा चुनावों के दौरान किए गए विपक्षी पार्टी के इस दावे का जिक्र किया कि यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2024 के आम चुनाव जीतती है तो वह संविधान बदल देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह अभियान अब विफल हो गया है और लोगों को सच्चाई पता है।

रीजीजू ने बुधवार को नागपुर में दीक्षाभूमि की कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यात्रा को लेकर उन पर निशाना साधा। इसी स्थान पर संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने 68 साल पहले बौद्ध धर्म अपनाया था। उन्होंने ऐतिहासिक राजनीतिक घटनाओं और मुसलमानों को वोट बैंक के रूप में ''इस्तेमाल करने'' के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा।

राहुल गांधी के संविधान के प्रति सम्मान पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, ''कांग्रेस को पहले यह जवाब देना चाहिए कि उसने संविधान और दिवंगत डॉ. आंबेडकर का अपमान क्यों किया। कांग्रेस ने तो डॉ. आंबेडकर की हार भी सुनिश्चित की थी।'' उन्होंने कहा कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू शुरू में डॉ. आंबेडकर को अपने मंत्रिमंडल में नहीं चाहते थे, हालांकि दलितों के इस प्रतीक को अंततः शामिल किया गया और कानून मंत्री बनाया गया।

रीजीजू ने आंबेडकर के इस्तीफे का भी जिक्र किया और इसे उनका अपमान बताया। पूर्व कानून मंत्री ने आपातकाल (1975-77) के दौरान पारित 42वें संशोधन का हवाला देते हुए कहा कि यह संवैधानिक ढांचे में महत्वपूर्ण बदलावों की शुरुआत थी। रीजीजू ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल का जिक्र करते हुए कहा, ''1975 में संविधान पर हमला किया गया और लोकतंत्र की हत्या की गई।'' उन्होंने कांग्रेस नेताओं द्वारा संविधान की प्रतियां हाथों में लेने को ''नौटंकी'' बताया और दावा किया कि पुस्तक के पन्ने कोरे थे। उन्होंने कहा, ''कुछ लोगों ने मुझे बताया कि कांग्रेस पार्टी ने लोगों को जो पुस्तकें (संविधान की प्रतियों के रूप में) वितरित कीं, उनका कवर लाल था, लेकिन पन्ने कोरे थे।''

चंद्रबाबू नायडू ने सोशल मीडिया पर दुर्व्यवहार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बृहस्पतिवार को चरित्र हनन और महिलाओं को बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया के दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की। विभिन्न विद्युत परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान थल्लायापलेम गांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए नायडू ने सोशल मीडिया पर विशेषकर महिलाओं के खिलाफ इस्तेमाल की जाने वाली अभद्र भाषा की आलोचना की आगाह किा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को परिणाम भुगतने होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि न सिर्फ उनके खिलाफ बल्कि उनके परिवार और गृह मंत्री वांगलापुडी अनिता के खिलाफ भी अपमानजनक टिप्पणियां की गई हैं। नायडू ने कहा, ''सोशल मीडिया पर अगंभीर भाषा (का प्रयोग किया जाता) है। वे महिलाओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां कर रहे हैं। क्या हमें

कार्रवाई नहीं करनी चाहिए? क्या मुझे इसे नजरअंदाज कर देना चाहिए? वे अपराधी बन गए हैं।'' नायडू ने कहा कि ऐसे समय में जब तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा), भारतीय जनता पार्टी और जनसेना के गठबंधन वाली सरकार राज्य के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है, युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सदस्य प्रशासन का मनोबल गिराने के इरादे से अश्लील संदेश पोस्ट करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं। नायडू ने चेतावनी दी कि वे चरित्र हनन में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय कानूनों से जांच करेंगे तथा कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महिलाओं को बदनाम करने को उचित नहीं ठहराती।

तेलंगाना के ग्रामीणों ने डोनाल्ड ट्रंप की जीत पर मनाया जश्न

हैदराबाद/भाषा। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत पर तेलंगाना के जनगांव जिले में ग्रामीणों के एक समूह ने जश्न मनाया और उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

ट्रंप के बड़े प्रशंसक रहे दिवंगत बुसा कृष्णा ने कोने गांव में अपने घर पर उनकी प्रतिमा स्थापित की थी। एक ग्रामीण ने बताया कि बुधवार शाम मनाए गए इस जश्न में कृष्णा के मित्र और गांव के अन्य निवासी भी शामिल हुए। अक्टूबर 2020 में कृष्णा का निधन हो गया था। वह ट्रंप के इतने बड़े प्रशंसक थे कि वह ट्रंप की ''पूजा'' तक करते थे और अपने घर में उनकी प्रतिमा स्थापित की हुई थी। कृष्णा को याद करते हुए उनके मित्रों और अन्य ग्रामीणों ने ट्रंप को उनकी जीत पर बधाई दी और ''जय ट्रंप'' जैसे नारे लगाए।

राकांपा (एसपी) उम्मीदवार ने जीतने पर कुंवारों की शादी कराने का वादा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। मध्य महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा- एसपी) के एक उम्मीदवार ने वादा किया है कि अगर वह विधानसभा चुनाव जीत जाते हैं तो वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में कुंवारों का विवाह कराएंगे।

बीड जिले के परली से चुनाव लड़ रहे राजेसाहेब देशमुख द्वारा किया गया यह अनोखा वादा ग्रामीण क्षेत्रों में विवाह योग्य युवकों को दुल्हन न मिल पाने की समस्या को उजागर करता है। देशमुख के इस बयान का वीडियो बुधवार को वायरल हो गया। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव होगा। परली में देशमुख के मुख्य प्रतिद्वंद्वी

राज्य के कृषि मंत्री धनंजय मुंडे हैं जो उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता हैं।

देशमुख ने कहा, ''अगर मैं विधायक बन गया तो सभी कुंवारों का विवाह कराऊंगा। हम युवाओं को काम देंगे। लोग (दुल्हन की तलाश कर रहे व्यक्ति से) पूछते हैं कि क्या उसके पास कोई नौकरी है या क्या उसका कोई व्यवसाय है। जब जिले के संरक्षक मंत्री (धनंजय मुंडे) के पास खुद कोई व्यवसाय नहीं है तो आपको क्या मिलेगा।''

बिश्नोई, दाऊद का महिमामंडन करने वाली टी-शर्ट बेचने पर ई कंपनियों के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र पुलिस की साइबर शाखा ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का महिमामंडन करने वाली टी-शर्ट बेचने को लेकर ऑनलाइन सामान बेचने वाली कुछ ई कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि आपराधिक व्यक्तियों को आदर्श बनाने वाले ये उत्पाद (मूल्यों की) विकृत छवि को बढ़ावा देकर समाज के लिए बड़ा खतरा पैदा करते हैं, जिसका युवा मन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। साइबर सुरक्षा अधिकारियों द्वारा ऑनलाइन निगरानी के दौरान पाया गया कि फ्लिपकार्ट, अलीएक्सप्रेस और टीशॉपर व ईटीसी जैसी ई कंपनियों सहित कई 'ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म' लॉरेंस बिश्नोई और दाऊद इब्राहिम जैसे गैंगस्टर का महिमामंडन करने वाली टी-शर्ट बेच रहे थे।

ईडी ने अमेजन, फ्लिपकार्ट के लिए काम करने वाले विक्रेताओं के 19 परिसरों पर छापेमारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी निवेश ''उल्लंघन'' जांच के तहत अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए काम करने वाले कुछ ''मुख्य विक्रेताओं'' के परिसरों पर बृहस्पतिवार को छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के तहत दिल्ली, गुरुग्राम और पंचकूला (हरियाणा), हैदराबाद (तेलंगाना) और बेंगलूरु (कर्नाटक) में स्थित इन ''तरजीही'' विक्रेताओं के कुल 19 परिसरों की तलाशी ली गई।

सूत्रों ने बताया कि ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत दो बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ कई शिकायतों पर जांच शुरू की है। आरोप लगाया गया है कि ये कंपनियां ''प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं या सेवाओं के बिक्री मूल्य को प्रभावित करके और सभी विक्रेताओं को समान अवसर प्रदान नहीं करके भारत के एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) नियमों का उल्लंघन कर रही हैं।''

पहले भी ऐसी खबरें आई हैं कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) भी ई-कॉमर्स कंपनियों के कथित प्रतिस्पर्धा-विरोधी तरीकों की जांच कर रहा है।

सीसीआई बाजार में सभी क्षेत्रों में निष्पक्ष व्यापार तौर-तरीकों को सुनिश्चित करने के लिए काम करता है।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) और खुदरा मोबाइल विक्रेताओं के संगठन एआईएमआरए ने भी कुछ समय पहले सीसीआई में याचिका दायर कर फ्लिपकार्ट और अमेजन के परिचालन को तत्काल निलंबित करने की मांग की थी, क्योंकि उनका आरोप था कि ये कंपनियां उत्पादों पर भारी छूट देकर कारोबार को प्रभावित करती हैं। उन्होंने कहा कि बिक्री के इन तौर तरीकों के कारण मोबाइल फोन का ऐसा बाजार तैयार हो रहा है, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हो रहा है, क्योंकि इस तरह के बाजार में शामिल कंपनियां करों की चोरी करती हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हाल में यही चिंता जताई थी और उन्होंने भारत में एक अरब डॉलर के निवेश की अमेजन की घोषणा पर सवाल उठाया था।

उन्होंने कहा था कि अमेरिकी खुदरा विक्रेता कंपनी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कोई बड़ी सेवा नहीं कर रही है, बल्कि देश में उसे जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कर रही है। उन्होंने अगस्त में कहा था कि भारत में उनका भारी घाटा हेरफेर कर कम कीमत रखकर बाजार पर एकाधिकार बनाने का संकेत देता है, जो देश के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि इससे करोड़ों छोटे खुदरा विक्रेता प्रभावित होते हैं।

मंत्री ने कहा था कि देश में तेजी से बढ़ते ऑनलाइन खुदरा व्यापार के साथ, ''क्या हम ई-कॉमर्स के इस व्यापक विकास के साथ भारी सामाजिक व्यवधान पैदा करने जा रहे हैं।''

मैं व्यवसाय नहीं, एकाधिकार के खिलाफ: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह व्यवसायों के नहीं, बल्कि एकाधिकार के खिलाफ हैं। उन्होंने अपने एक लेख का हवाला देते हुए यह दावा भी किया कि नियम-कायदे के अनुसार काम करने वाले कुछ कारोबारी समूहों को केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के कार्यक्रमों की तारीफ करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। उनके इस दावे पर सरकार की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ 'बेबुनियाद आरोप' लगाने के लिए बुधवार को राहुल गांधी की आलोचना की थी और उनसे किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तथ्यों की जांच करने की सलाह दी थी। राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को एक वीडियो जारी कर कहा, ''भाजपा के लोगों द्वारा मुझे व्यवसाय विरोधी बताने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन मैं व्यवसाय विरोधी नहीं हूं, बल्कि एकाधिकार के खिलाफ हूं।'' उनका कहना है कि वह एक, दो, तीन या पांच लोगों द्वारा उद्योग जगत में

एकाधिकार स्थापित करने के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने अपने करियर की शुरुआत प्रबंधक सलाहकार के रूप में की। मैं कारोबार की सफलता के लिए जरूरी चीजों को समझता हूं। इसलिए स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि मैं व्यवसाय विरोधी नहीं हूं, एकाधिकार विरोधी हूं।'' राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं नौकरियों के सृजन का समर्थक हूं, व्यवसाय का समर्थक हूं, नवोन्मेष का समर्थक हूं, प्रतिस्पर्धा का समर्थक हूं। मैं एकाधिकार विरोधी हूं। हमारी अर्थव्यवस्था तभी फूलेगी-फलेगी जब सभी व्यवसायों के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष स्थान होगा।''

बाद में उन्होंने एक अन्य पोस्ट में दावा किया, ''मेरे लेख के बाद, नियम-कायदे से चलने वाले व्यवसायिक समूहों ने मुझे बताया कि एक वरिष्ठ मंत्री फोन कर रहे हैं और उन्हें प्रधानमंत्री मोदी और सरकार के कार्यक्रमों के बारे में सोशल मीडिया पर अच्छी बातें कहने के लिए मजबूर कर रहे हैं।''

कम कार्बन उत्सर्जन वाले उन्नत चूल्हों के लिए घाना ने भारत के स्टार्ट-अप से हाथ मिलाया

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। पेरिस समझौते के मुताबिक पर्यावरण बचाने के लिए घाना सरकार ने भारत के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के एक स्टार्ट-अप से करार किया है जिसके तहत अपेक्षाकृत कम कार्बन उत्सर्जन करने वाले 10 लाख उन्नत चूल्हों का घाना में विनिर्माण होगा और उनका वहां लोगों में निःशुल्क वितरण किया जाएगा। स्टार्ट-अप कंपनी के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

बेटर प्लेनेट फुटप्रिंट्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित गुप्ता ने कहा, ''हमने घाना के ऊर्जा मंत्रालय के साथ करार किया है। इसके तहत हम पेरिस समझौते के अनुच्छेद छह के मुताबिक घाना में खाना पकाने वाले 10 लाख उन्नत चूल्हों के उत्पादन और वितरण की परियोजना को अमली जामा पहनाने में वहां की सरकार की मदद करेंगे।'' गुप्ता ने बताया कि 425 करोड़ रुपए की इस परियोजना के तहत अगले साल की पहली तिमाही में घाना में चूल्हों का उत्पादन शुरू होगा और परियोजना के पांच से सात साल में पूरा होने की उम्मीद है। ये चूल्हे हालांकि लकड़ी और चारकोल जैसे परंपरागत ईंधनों से जलेंगे, लेकिन अपनी उन्नत तकनीक के कारण इनसे कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम होगा।

वायनाड की सेवा उसी तरह करना चाहती हूं जैसे एक मां बच्चों की देखभाल करती है : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड की सेवा उसी तरह करना चाहती हूं जैसे एक मां बच्चों की देखभाल करती है: प्रियंका गांधी

वायनाड (केरल)/भाषा। कांग्रेस महासचिव और वायनाड लोकसभा सीट से संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाद्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस क्षेत्र के लोगों की सेवा करने की भावना उनमें उसी तरह है जैसे एक मां की अपने बच्चों के प्रति होती है।

प्रियंका ने वायनाड लोकसभा सीट के उपचुनाव के लिए अपने चुनाव प्रचार के दूसरे चरण के आखिरी दिन कहा कि अगर उन्हें मौका दिया गया तो वह न केवल संसद, बल्कि हर मंच पर वायनाड के लोगों के लिए लड़ेंगी।

कांग्रेस नेता ने अपने भाई और लोकसभा

में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के दिल में वायनाड के प्रति लगाव होने का उल्लेख किया और मतदाताओं से समर्थन का आग्रह किया ताकि वह उनकी सेवा कर सकें।

प्रियंका गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले केंद्र के खिलाफ अपने आरोपों को दोहराते हुए कहा कि मोदी सरकार की राजनीति ने देश में किसानों और छोटे व्यापार मालिकों को नुकसान पहुंचाया है।

मलप्पपुरम जिले के एरानाड और नीलंबुर विधानसभा क्षेत्रों में अकंपदम और पोथुकल्लू इलाकों में नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वायनाड में अपार संभावनाओं के बावजूद सरकार से सहयोग की कमी के कारण क्षेत्र के किसान और छोटे व्यवसाय भी कर्ज से जूझ रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इसका कारण भाजपा द्वारा की जा रही भय, नफरत और विभाजन की राजनीति है और कहा कि देश में इस तरह की राजनीति की जरूरत नहीं है।

वह वायनाड निर्वाचन क्षेत्र में अपने पांच

दिवसीय प्रचार अभियान के आखिरी चार दिनों के दौरान लगातार इन मुद्दों को उठा रही हैं।

वायनाड सीट के लिए उपचुनाव इसलिए आवश्यक हो गया था क्योंकि वायनाड और रायबरेली लोकसभा सीटें जीतने के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने वायनाड सीट खाली करने का फैसला किया था।

वायनाड में 13 नवंबर को मतदान होना है और मतगणना 23 नवंबर को होगी।

कार्तिक शुक्ल - 7 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 104 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- | बेंगलूरु » शुक्रवार » 08-11-2024 | ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सिद्दरामय्या को अहसास नहीं कि उन्होंने गलती की है : वी. सोमन्ना

6 ट्रंप की वापसी के बाद क्या बदलेगी बांग्लादेश की तस्वीर?

7 तमन्ना भाटिया अभिनीत 'सिकंदर का मुकद्दर' 29 को होगी रिलीज

फर्स्ट टेक

ट्रू-कॉलर इंडिया के कार्यालयों पर आयकर विभाग की 'छापेमारी'

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने बृहस्पतिवार को कर अपवंचना के मामले में वैश्विक कॉलर आईडी मंच ट्रू-कॉलर के कार्यालयों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। स्टॉकहोम मुख्यालय वाली कंपनी ने कहा कि वह जांचकर्ताओं के साथ सहयोग कर रही है। कर अधिकारियों ने कहा कि तलाशी का उद्देश्य ट्रांसफर प्राइसिंग (टीपी) मुद्दों सहित कर चोरी के कुछ आरोपों के संबंध में विस्तृत जानकारी एकत्र करना और दस्तावेजों की जांच करना था। कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ट्रू-कॉलर के भारत में बेंगलुरु, मुंबई और गुरुग्राम में कार्यालय हैं। कंपनी ने एक सार्वजनिक बयान में कहा, सात नवंबर बृहस्पतिवार को ट्रू-कॉलर इंडिया के कार्यालयों में भारतीय कर अधिकारियों ने निरीक्षण किया।

कनाडा ने टिकटॉक के कनाडाई कारोबार को बंद करने का आदेश दिया

टोरंटो/एपी। कनाडा ने बुधवार को टिकटॉक के कनाडाई कारोबार को बंद करने की घोषणा की। चीन की कंपनी की राष्ट्रीय सुरक्षा समीक्षा के बाद कनाडा ने यह घोषणा करते हुए कहा कि वह इस ऐप तक पहुंच को ब्लॉक नहीं करेगा। उद्योग मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन ने कहा कि इसका उद्देश्य टिकटॉक टेक्नोलॉजी कनाडा इंक द्वारा स्थापित बाइटडांस से संबंधित जोखिमों को दूर करना है। शैम्पेन ने कहा, सरकार कनाडाई लोगों की टिकटॉक एप्लिकेशन तक पहुंच या उनकी कंटेंट बनाने की क्षमता को ब्लॉक नहीं कर रही है। सोशल मीडिया एप्लिकेशन या मंच का उपयोग करने का निर्णय एक व्यक्तिगत पसंद है। शैम्पेन ने कहा कि कनाडाई लोगों के लिए अपनी व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा सहित अच्छी साइबर सुरक्षा कार्यप्रणाली को अपनाना महत्वपूर्ण है। टिकटॉक कनाडा ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

त्योहारों में भीड़ को देखते हुए रेलवे 500 से अधिक विशेष ट्रेन संचालित करेगा

नई दिल्ली/भाषा। रेलवे ने छठ पूजा समाप्त हो जाने के बाद आठ नवंबर से अपने गृह क्षेत्रों में वापस जाने वाले यात्रियों की भीड़ को देखते हुए 500 से अधिक विशेष ट्रेन की व्यवस्था की है। रेलवे बोर्ड ने बुधवार को यह जानकारी दी। बोर्ड ने प्रेस को जारी एक बयान में कहा, ''वापस लौटने वाले यात्रियों के लिए विशेष ट्रेन की घोषणा की गई है और स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए समस्तीपुर, दानापुर तथा अन्य मंडलों से अतिरिक्त ट्रेन चलाने की योजना बनाई गई है।'' इसमें कहा गया है कि छठ पूजा के लिए आठ नवंबर को सूर्योदय के बाद भीड़ शुरू होगी जिसे ध्यान में रखते हुए उस दिन 164 विशेष ट्रेन की व्यवस्था की गई है।

जम्मू कश्मीर : कुपवाड़ा में सेना के साथ मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने बुधवार को उत्तरी कश्मीर जिले के लोलाब के मार्गी इलाके में घेराबंदी की और तलाशी अभियान शुरू किया था, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि अभियान सफलतापूर्वक पूरा हो गया, जिसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी मारा गया।

08-11-2024 सूर्यास्त	09-11-2024 सूर्योदय
5:51 बजे	6:16 बजे

BSE	NSE
79,541.79	24,199.35
(-836.34)	(-284.70)

सोना	चांदी
8,087 रु.	94,596 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

आतंकवाद के खिलाफ ठोस रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है सरकार : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार आतंकवाद, आतंकवादियों और उनके पारिस्थितिकी तंत्र से लड़ने के लिए जल्द ही एक राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति लाएगी। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार देश में आतंकवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके खिलाफ ठोस रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है।

शाह ने यह भी कहा कि कानून और व्यवस्था राज्य का विषय है, लेकिन आतंकवाद की कोई क्षेत्रीय सीमा नहीं होती, इसलिए सभी सुरक्षा एजेंसियों - केंद्रीय और राज्य - को निकट समन्वय के साथ काम करना चाहिए, संयुक्त रणनीति बनानी चाहिए और खुफिया जानकारी साझा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के रूप में एक मॉडल दृष्टिकोण पेश किया है, जिसे यदि अपनाया जाता है तो यह आतंकवाद की समस्या से निपटने के लिए एक साझा ढांचे और मंच के रूप में काम करेगा।

▪ **हम जल्द ही एक नई राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति लाएंगे : शाह**

▪ **प्रधानमंत्री मोदी के सपने के अनुसार 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए हर किसी को सभी सुरक्षा चुनौतियों से निपटना होगा और आतंकवाद से लड़ने के लिए एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा।**

गृह मंत्री ने यहां एक आतंकवाद-निरोधक सम्मेलन में कहा, ''आतंकवाद, आतंकवादियों और उनके पारिस्थितिकी तंत्र से लड़ने के लिए हमें मिलकर काम करना होगा, और इसीलिए हम जल्द ही एक नई राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति लाएंगे जिसमें आप सभी की अहम भूमिका होगी।'' उन्होंने कहा कि नई नीति से राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों को आतंकवाद से निपटने में निकट समन्वय से काम करने में मदद मिलेगी।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सपने के अनुसार 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए हर किसी को सभी सुरक्षा चुनौतियों से निपटना होगा और आतंकवाद से लड़ने के लिए एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों को युवा अधिकारियों को प्रशिक्षित करना पड़ेगा और आतंकवाद से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करना होगा।

आईएनएस विक्रांत पर नौसेना की मारक क्षमता की साक्षी बनीं राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को समुद्र में भारतीय नौसेना की मारक क्षमता का प्रदर्शन देखा।

नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि राष्ट्रपति सुबह गोवा में नौसेना वायु स्टेशन आईएनएस हंसा पहुंची। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी और पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय जे सिंह ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति के आगमन पर उन्हें औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

इसके बाद राष्ट्रपति स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर सवार हुई जो नौसेना के अग्रिम पंक्ति के 15 युद्धपोतों और पनडुब्बियों के साथ समुद्र में नौसेना की ताकत के प्रदर्शन के लिए तैयार था। यह श्रीमती मुर्मु की समुद्र में नौसेना के युद्धपोत पर पहली यात्रा थी। राष्ट्रपति को नौसेना की भूमिका, चार्टर और संचालन की अवधारणा के बारे में जानकारी दी गई। बाद में राष्ट्रपति ने कई नौसैनिक अभियानों को देखा, जिनमें लड़ाकू विमानों की डेक-आधारित टेक-ऑफ और लैंडिंग, युद्धपोत से मिसाइल फायरिंग अभ्यास, पनडुब्बी संचालन, 30 से अधिक विमानों का फ्लाईपास्ट और युद्धपोतों के पारंपरिक स्टीम-पास्ट के साथ समापन शामिल था।

सैटेलाइट ब्रॉडबैंड के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी नहीं होगी : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ **मुकेश अंबानी और सुनील मित्तल स्पेक्ट्रम की नीलामी किए जाने की मांग कर रहे हैं, जबकि एलन मस्क ने आवंटन की वकालत की है।**

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि सैटेलाइट ब्रॉडबैंड के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी के बजाय उसका आवंटन किया जाएगा।

भारतीय अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी और सुनील मित्तल इसकी नीलामी किए जाने की मांग कर रहे हैं, जबकि एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने इसके आवंटन की वकालत की है।

सिंधिया ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा कि हालांकि, सैटेलाइट

ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम मुफ्त नहीं दिया जाएगा तथा भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) इसके लिए कीमत तय करेगा।

सिंधिया ने कहा, '' हर देश को अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) का पालन करना होता है, जो अंतरिक्ष या उपग्रहों में स्पेक्ट्रम के लिए नीति निर्धारित करने वाला संगठन है। आईटीयू 'असाइनमेंट' के आधार पर स्पेक्ट्रम दिए जाने के मामले में बेहद स्पष्ट रहा है। इसके अलावा, अगर आप आज दुनियाभर में देखें, तो मुझे एक भी ऐसा देश नहीं दिखता जो उपग्रह के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी करता हो।''

भारत डिजिटल प्रौद्योगिकी के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) का सदस्य है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पाखंड कर रहा है कनाडा : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ल/एजेन्सी। भारत ने कनाडा द्वारा ऑस्ट्रेलिया के भारतवंशी समुदाय के मीडिया प्लेटफॉर्म 'ऑस्ट्रेलिया टुडे' को कनाडा में प्रतिबंधित किये जाने की निंदा की है और इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कनाडा सरकार का पाखंड का उदाहरण बताया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में इस संबंध में पूछे जाने पर कहा, विदेश मंत्री आज सिडनी में हैं। कुछ समय पहले वे व्यापारिक समुदाय और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से बात कर रहे थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री के साथ भी बैठक की, जहां उन्होंने 15वीं भारत-ऑस्ट्रेलिया रूपरेखा वार्ता में भाग लिया। विदेश मंत्री ने ऑस्ट्रेलिया के साथ हमारी सभी सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा की।

ऑस्ट्रेलिया टुडे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को कनाडा में ब्लॉक किये जाने के संबंध में प्रवक्ता ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया टुडे भारत वंशियों का एक प्रमुख मीडिया मंच है। यह अब कनाडा में देखने के लिए उपलब्ध नहीं है। इसने विदेश मंत्री एस जयशंकर का इंटरव्यू किया और विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ प्रेस ब्रीफिंग को भी कवर किया था। विदेश मंत्री ने हमारे कनाडा के साथ संबंधों के तीन बिन्दुओं पर चर्चा की है। पहला कनाडा सरकार के शीर्ष से बिना सबूत के आरोप लगाने की आदत, दूसरा- हमारे राजनयिकों की निगरानी और तीसरा उग्रवादियों को राजनीतिक स्थान दिया जाना।

प्रवक्ता ने कहा कि कनाडा सरकार का इस मीडिया मंच को प्रतिबंधित करना, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर कनाडा सरकार के पाखंड को उजागर करता है।

ट्रंप प्रशासन के साथ कोई गतिरोध नहीं आएगा : भारत

नई दिल्ल/एजेन्सी। भारत ने आज भरोसा जताया कि अमेरिका में निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ व्यापार सीमा शुल्क एवं उत्प्रवासन जैसे मुद्दों पर कोई गतिरोध नहीं आएगा और परस्पर बातचीत से संतोषजनक समाधान निकल आएगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में ट्रंप के शासन काल में भारत-अमेरिका संबंधों में प्रगति और एच-1बी वीजा के बारे में पूछे जाने पर कहा, भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक संबंध काफी व्यापक हैं। पिछले साल 2023 में भारत और अमेरिका के बीच करीब 190 अरब डॉलर का व्यापार हुआ, जिसमें सामान और सेवाएं शामिल थीं। अमेरिका भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है... जहां तक एच-1बी का सवाल है, गतिशीलता और प्रवास साझेदारी हमारे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों का एक हिस्सा है और हमारे कई पेशेवर अमेरिका में काम करते हैं, कई भारतीय छात्र वहां पढ़ते हैं और रक्षा प्रौद्योगिकी में अमेरिका और भारत के बीच बड़ी निवेश साझीदारी है। उन्होंने कहा कि हाल में भारत एवं अमेरिका के बीच विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के संबंध में सात मुद्दों को सुलझाया गया है। हमारे संबंध और मजबूत हुए हैं। दोनों देशों के बीच बाकी जो भी मुद्दे हैं, हम इन सभी मुद्दों पर उनके साथ अच्छी बातचीत करना चाहेंगे। उत्प्रवासन के सवाल पर प्रवक्ता ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारे लोग कानूनी रूप से अमेरिका जाएं।

सूर्योपासना के महापर्व कार्तिक छठ पर डूबते सूर्य को अर्घ्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/एजेन्सी। बिहार में सूर्योपासना के महापर्व कार्तिक छठ के अवसर पर आज व्रतधारियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को नदी और तालाब में खड़े होकर प्रथम अर्घ्य अर्पित किया।

गंगा नदी में हजारों महिला और पुरुष व्रतधारियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस अवसर पर लाखों लोगों ने पवित्र गंगा नदी में स्नान भी किया। सुबह से ही आज गंगा नदी की ओर जाने वाले सभी मार्ग छठ व्रत एवं सूर्य आराधना के भक्तिपूर्ण एवं कर्णप्रिय गीतों से गुंजायमान रहे।पटना जिला प्रशासन ने गंगा नदी के घाटों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये हैं। प्रशासन की ओर से गंगा नदी में नौका के परिचालन पर भी कल दोपहर तक के लिए रोक लगा दी गयी है। छठ घाटों पर पटाखे छोड़ने पर भी प्रतिबंध है। छठ व्रतियों के लिये गंगा घाटों को साफ-सुथरा किया गया है और विशेष रूप से सजाया भी गया है। इसके साथ ही गंगा नदी की ओर जाने वाले मार्गों पर तोरण द्वारा बनाये गये हैं और पूरे मार्ग को रंगीन बल्बों से सजाया गया है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने सरकारी आवास में छठ पर्व मनाया है,जहां पूजा के लिये एक छोटे तालाब का निर्माण कराया गया है ।नीतीश ने परिवार के साथ की छठ पूजा की।

बिहार के औरंगाबाद जिले के ऐतिहासिक तथा धार्मिक स्थल देव के पवित्र सूर्य कुंड में लाखो की संख्या में व्रतधारियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। देव का पूरा इलाका छठी मैया के भक्तिपूर्ण और कर्णप्रिय गीतों से गुंजायमान है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए औरंगाबाद जिला प्रशासन की ओर से बिजली , पानी स्वास्थ्य सुरक्षा परिवहन आवासन आदि के बेहतर प्रबंध किए गए हैं।

बांग्लादेश से हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने का आग्रह

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश के चटगांव में भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट के बाद तनाव की खबरों के बीच भारत ने बृहस्पतिवार को ढाका से चरमपंथी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने और देश के हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

यहां साप्ताहिक मीडिया वार्ता के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने चटगांव में हिंदू समुदाय के सदस्यों पर कथित हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह तनाव सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट का परिणाम था।

जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश सरकार से ऐसे चरमपंथी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने और बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील करता है।

उच्चतम न्यायालय का जेट एयरवेज के परिसमापन का आदेश

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को ठप खड़ी एयरलाइन कंपनी जेट एयरवेज के परिसमापन का आदेश दिया। न्यायालय ने इसके साथ ही सफल बोलीदाता जालान कलरॉक गठजोड़ द्वारा कंपनी में डाले गए 200 करोड़ रुपए जब्त करने तथा भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई वाले ऋणदाताओं के समूह को 150 करोड़ रुपए की प्रदर्शन बैंक गारंटी भुनाने की भी अनुमति दे दी। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के आदेश को खारिज करते हुए जेट एयरवेज की दिवाली कार्यवाही पर रोक लगा दी।

मालेगांव विस्फोट मामला :

प्रज्ञा ठाकुर ने सूजे हुए चेहरे की तस्वीर पोस्ट की, कांग्रेस पर आरोप लगाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के 2008 मालेगांव विस्फोट मामले की मुख्य आरोपी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर अपने सूजे हुए चेहरे की एक तस्वीर पोस्ट की। साथ ही आरोप लगाया कि ''कांग्रेस की यातना'' के कारण उन्हें आजीवन ''घातक पीड़ा'' हुई और अगर वह जीवित रहीं तो अदालत में पेश होंगी।

मालेगांव विस्फोट मामले में सुनवाई कर रही एक विशेष अदालत द्वारा सुनवाई में शामिल न होने पर भोपाल की पूर्व भाजपा सांसद के खिलाफ जमानती वारंट जारी करने के दो दिन बाद उन्होंने यह फोटो पोस्ट की।

ठाकुर और छह अन्य व्यक्ति विस्फोट में कथित संलिप्तता के मामले में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। जमानती वारंट जारी करते हुए विशेष अदालत के न्यायाधीश ए.के. लाहोटी ने मंगलवार को कहा कि मामले में अंतिम बहस चल रही है और आरोपियों की उपस्थिति आवश्यक है। वारंट के मुताबिक, 13 नवंबर तक ठाकुर को अदालत में पेश होना होगा। प्रज्ञा ठाकुर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कांग्रेस की यातना सिर्फ एटीएस की हिरासत तक ही नहीं, मेरे जीवन भर के लिए मृत्युदाई कष्ट का कारण हो गयी। मस्तिष्क में सूजन, आंखों से कम दिखना, कानों से कम सुनना, बोलने में असंतुलन, स्टेरॉयड और न्यूरो की दवाओं से पूरे शरीर में सूजन। एक अस्पताल में उपचार चल रहा है। जिंदा रही तो अदालत अवश्य जाऊंगी।''

उपचुनाव के लिए प्रचार ने जोर पकड़ा, कुछ सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा की सात सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए चुनाव प्रचार जारी है जहां सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के साथ साथ कांग्रेस व अन्य क्षेत्रीय दलों के नेताओं ने मतदाताओं को रिझाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। राज्य की सात सीटों झुंझुनू, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, चौरासी, सलूंबर और रामगढ़ पर उपचुनाव के लिए मतदान 13 नवंबर को होगा और नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। दीवाली के त्योहारी सीजन के बाद चुनाव प्रचार में तेजी आयी है। इन सीटों पर राजनीतिक समीकरण भी तेजी से बदलते नजर आ रहा हैं। विशेष रूप से चौरासी, खींवसर, झुंझुनू और रामगढ़ सीट पर मुकाबला दिलचस्प हो गया है।

खींवसर सीट पर भाजपा और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के बीच सीधा मुकाबला था लेकिन अब वहां कांग्रेस भी बढ़त लेती नजर आ रही है। सांसद हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व वाली आरएलपी के लिए इस जाट बहुल सीट पर मुकाबला कठिन हो गया है क्योंकि इस बार उसके सामने सत्तारूढ़ भाजपा व मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस, दोनों के उम्मीदवार हैं। यहां बेनीवाल की पत्नी कनिका, भाजपा के रतन चौधरी और कांग्रेस के रेवंत राम डांगा चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं आदिवासी बहुल इलाके की चौरासी विधानसभा सीट पर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के प्रभाव को कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं। बीएपी ने हाल के लोकसभा और उससे पहले विधानसभा चुनाव में इन दोनों राष्ट्रीय दलों पर एक तरह से बढ़त ली थी। चौरासी सीट से बीएपी के विधायक राजकुमार रोत इसी साल हुए लोकसभा चुनाव में जीते थे।

भाजपा के एक नेता के अनुसार, दूसरे दलों के प्रभाव को कम करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं को मैदान में उतारा गया है। संघ कार्यकर्ता इस बार मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए घर-घर जाकर प्रचार कर रहे हैं। भाजपा ने इस सीट पर कारीलाल को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस और बीएपी ने क्रमश: महेश रोत और अनिल कटारा को मौका दिया है। स्थानीय नेता मानते हैं कि यहां मुख्य मुकाबला भाजपा और बीएपी के बीच है। राज्य की झुंझुनू विधानसभा सीट पर इस उपचुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला माना जा रहा है। भाजपा ने अपने बागी राजेंद्र भांभू को टिकट दिया है। कांग्रेस ने सांसद बृजेंद्र ओला के बेटे अमित ओला को मैदान में उतारा है। पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा और आजाद समाज पार्टी के नेता अमीन मनियार कांग्रेस को चुनौती दे रहे हैं। गुढ़ा पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में मंत्री थे।

कांग्रेस ने अपने विधायक जुबैर खान के निधन से खाली हुई रामगढ़ सीट पर उनके बेटे आर्यन को मैदान में उतारा है। यहां कांग्रेस को सहानुभूति के वोट मिलने की उम्मीद है, हालांकि भाजपा भी यहां काफी मेहनत करती दिख रही है। यहां भाजपा के उम्मीदवार सुखवंत सिंह हैं। दोनों ही पार्टियां दलित वोट बैंक को लुभाने पर ध्यान दे रही हैं। सुखवंत सिंह ने पिछले विधानसभा चुनाव में आजाद समाज पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था, तब उन्हें दलित समुदाय के अच्छे खासे वोट मिले थे।

राज्य विधानसभा में कुल 200 सीट हैं जिनमें से पांच सीट विधायकों के सांसद बनने के कारण और दो सीट विधायकों के निधन के कारण खाली हैं। राजस्थान की जिन सात विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने हैं उनमें झुंझुनू सीट कांग्रेस के विधायक बृजेंद्र ओला, दौसा सीट कांग्रेस के विधायक मुरारीलाल मीणा, देवली उनियारा सीट कांग्रेस के विधायक हरीश चंद्र मीणा, खींवसर सीट राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के विधायक हनुमान बेनीवाल और चौरासी सीट भारत आदिवासी पार्टी के विधायक राजकुमार रोत के इस्तीफा देने के कारण खाली हुई हैं। इन सभी विधायकों ने इस साल संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में सांसद चुने जाने के बाद इस्तीफा दिया था। वहीं राज्य की रामगढ़ सीट कांग्रेस विधायक जुबैर खान और सलूंबर सीट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक अमृतलाल मीणा के निधन के कारण खाली हुई हैं। इस तरह से जिन सात सीट पर उपचुनाव होना है उनमें से चार कांग्रेस के पास थीं।

राज्य विधानसभा में इस समय भारतीय जनता पार्टी के 114, कांग्रेस के 65, भारत आदिवासी पार्टी के तीन, बहुजन समाज पार्टी के दो और राष्ट्रीय लोकदल का एक विधायक है। इसके अलावा आठ निर्दलीय विधायक हैं। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार उक्त सात विधानसभा सीट में कुल 1,862 मतदान केंद्र और 19,36,532 मतदाता हैं।

भाजपा सबका साथ, सबका विकास की बात करती है : पूनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा है कि कांग्रेस हमेशा जाति, धर्म और पंत की राजनीति करती है, जबकि भाजपा हमेशा सबका साथ सबका विकास की बात करती है। अलवर जिले के रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव में प्रचार करने आये पूनिया ने गुरुवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज्य की भाजपा सरकार किसी भी काम में भेदभाव नहीं करती, चाहे उज्ज्वला योजना में गैस सिलेंडर का मामला हो चाहे, आवास का मामला हो सभी को ही उन्होंने एक ही नजरिये से योजना का लाभ दिया। राजस्थान में अपराधों के सवाल पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में अच्छी पुलिसिंग काम कर रही है और इसके बेहतर परिणाम सामने आयेंगे। अपराधियों पर लगाम कसी जा रही है। पानी के मुद्दे पर जाम लगाने के वन मंत्री के सवाल पर उन्होंने कहा, मुझे जानकारी नहीं है इस बयान की, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल जीवन मिशन में कई लाख करोड़ रुपये राजस्थान को दिये मगर तत्कालीन अशोक गहलोत सरकार ने इस पर एक भी काम नहीं किया।

पूनिया से पूछा गया कि भाजपा की हरियाणा में जहां सरकार बनने की बात नहीं थी और उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया, फिर सत्ता हासिल की इस सवाल के जवाब पर उन्होंने कहा कि हमें शुरू से ही 35-40 सीटों के आसपास का आकलन था, लेकिन हमने हर कार्यकर्ता से वहां संवाद किया वहां जो प्रभारी लगाये गये थे, वह सभी प्रभारी मजबूत थे और सब में समन्वय था।

पूनिया ने कहा राजस्थान में भाजपा दमदार तरीके से बढ़त हासिल किये हुये है, क्योंकि पार्टी ने जीतने वाले उम्मीदवारों का चयन किया है और शुरू से ही जमीनी स्तर पर मेहनत की है। लोकसभा चुनाव के बाद ही भाजपा ने जमीनी स्तर पर काम शुरू कर दिया था। कांग्रेस के उस बयान पर की 11 माह में भाजपा की सरकार ने प्रदेश में कुछ नहीं किया के सवाल पर पूनिया ने कहा कि कांग्रेस ने पांच साल में राजस्थान को अराजकता के माहौल में धकेल दिया और कानून-व्यवस्था बदहाल स्थिति में कर दी और कांग्रेस को तो बयान बाजी के अलावा कोई काम नहीं है।

राजस्थान विधान सभा सर्वश्रेष्ठ विधान सभा बनने की ओर अग्रसर : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधान सभा में जन-दर्शन, सर्वदलीय बैठक, भारतीय वर्ष के अनुसार दैनन्दिनी और वार्षिक कैलेण्डर का प्रकाशन कर ऐतिहासिक नवाचार किये गये है। उन्होंने कहा कि नई गति, नई दिशा और नवाचारों के साथ राजस्थान विधान सभा सर्वश्रेष्ठ विधान सभा बनने की ओर अग्रसर है। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को सिडनी (आस्ट्रेलिया) में आयोजित राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के 67 वें सम्मेलन के दौरान आयोजित साधारण सभा में राजस्थान विधान सभा में किये जा रहे नवाचारों की जानकारी दी।

देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा के द्वार आमजन के लिये खोल दिये गये हैं। विधान सभा में राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का आमजन, व्घिार्थी और शोधार्थी अवलोकन कर रहे हैं। दिन-प्रतिदिन आमजन की संख्या संग्रहालय को देखने के लिये बढती जा रही है। राजस्थान की समृद्ध संस्कृति और राजनैतिक इतिहास की देश और विदेशों में पहचान बन रही है। जन-दर्शन से राजस्थान विधान सभा की अनूठी इमारत को पर्यटकों को निकटता से निहारने का मौका मिल रहा है।

राष्ट्रीय ध्वज के साथ सभा में प्रवेश राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ की साधारण सभा में भारत के विभिन्न राज्यों की विधान सभाओं के अध्यक्षों ने भारत के गौरव राष्ट्रीय ध्वज के साथ सामूहिक रूप से प्रवेश किया। विदेशी धरती पर भारत के गौरव तिरंगे को लहराकर भारत के विभिन्न राज्यों की विधान सभाओं के अध्यक्षगण ने गौरव की अनुभूति की। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सम्मेलन में राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से सिंध विधान सभा अध्यक्ष ओवैस कादिर शाह की मुलाकात हुई। देवनानी ने बताया कि इस मुलाकात में सिंघ के कला, संस्कृति और इतिहास के बारे में जानकारी साझा की गई। दोनों के बीच सिंधी भाषा में संवाद हुआ। कादिर शाह ने देवनानी को पाकिस्तान आने का निमंत्रण भी दिया। उल्लेखनीय है कि देवनानी सिंधी बाहुल्य अजमेर उत्तर विधान सभा क्षेत्र से लगातार पांचवी बार विधायक चुने गए हैं।

राहुल की पूर्व राजपरिवारों पर टिप्पणी निंदनीय : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के पूर्व राजपरिवारों पर टिप्पणी वाले लेख की निंदा करते हुए कहा है कि इस लेख के जरिए पूर्व राजपरिवारों की छवि को धूमिल करने के प्रयास किया गया है। श्रीमती दीया कुमारी ने गुरुवार को अपने बयान में कहा कि राहुल गांधी ने अंग्रेज़ी और हिन्दी अखबारों में अपने लेख के माध्यम से पूर्व राजपरिवारों पर सारहीन आरोप लगाया है कि महाराजाओं को रिश्वत देकर अंग्रेजों ने भारत पर शासन किया। उन्होंने कहा कि इस लेख के जरिए पूर्व राजपरिवारों की छवि को धूमिल करने के प्रयास किया गया है जिसकी वह निंदा करती हैं।

उन्होंने कहा कि एकीकृत भारत का सपना पूरा करने के लिए सभी राजपरिवारों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। राहुल गांधी को इतिहास की जानकारी नहीं है। उनके द्वारा इतिहास के तथ्यों को जाने बिना इस तरह के लेख लिखना नितान्त अनावश्यक और निंदनीय है। अपनी राजनीतिक छवि को चमकाने के लिए दूसरों के परिवारों पर कीचड़ उछालना बंद करे और अपने संवैधानिक पद की मर्यादा को बनाये रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पूर्व राजपरिवारों पर इस तरह के अनर्गल आरोप लगाने से पहले, इतिहास के तथ्यों को जानकारी कर लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के आरोप लगा कर राहुल गांधी समाज के विभिन्न वर्गो में दरार पैदा करने की कोशिश कर रहे है, जो निंदनीय है।

उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए माहौल तैयार हो : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बृहस्पतिवार को कहा कि उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए देश में एक मज़बूत माहौल तैयार किया जाए।

उन्होंने कहा कि इसके तहत युवाओं में नए विचारों और सफलता के लिए ज़रूरी संसाधनों की समझ विकसित करनी होगी। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में 'विकसित भारत 2047' की कल्पना संजोई गई है। इसकी सफलता मानव शक्ति के सुनियोजित उपयोग के साथ राष्ट्र में युवाओं द्वारा नएनए स्टार्ट अप, उद्यमिता विकास के अधिकाधिक कार्य करने से ही संभव होगी।

उन्होंने कहा कि भारत आने वाले समय में पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ष 2027-28 तक भारत के पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान व्यक्त किया है। राज्यपाल ने कहा कि स्टार्ट-अप आज के आर्थिक परिदृश्य में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं क्योंकि इससे न केवल रोजगार का सृजन होता है बल्कि नये विचारों और प्रौद्योगिकीय नवाचारों के माध्यम से समाज विकास की ओर अग्रसर होता है।

उन्होंने कहा कि देश आजाद होने के बाद देश में अनाज की कमी थी परंतु भारत में खाद्य आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर प्रयास हुए। आज देश अनाज का सबसे बड़ा निर्यातक है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों से देश में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, तकनीकी क्षेत्र में विकास के महती कार्य हुए हैं।

राजस्थान में भजनलाल के सकारात्मक विजन से उद्यमियों में निवेश के प्रति उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के सकारात्मक विजन एवं राइजिंग राजस्थान के रूप में किए जा रहे भागीरथी प्रयासों के चलते उद्यमियों में निवेश के प्रति काफी उत्साह नजर आ रहा है जिससे राज्य सरकार का गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए लिया गया बुनियादी ढांचे का निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण का निर्णय लाभदायी एवं कारगर साबित होने लगा है।

शर्मा प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ाने और अधिकाधिक निवेश के लिए उद्यमियों को आमंत्रित करने के लिए भागीरथी प्रयास कर रहे हैं और इस पर उद्यमियों के उत्साह के मद्देनजर राज्य सरकार और अधिक उत्साह के साथ उनके लिए उत्तम सुविधाएं तथा बेहतर माहौल बनाने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री का कहना है कि राज्य में उद्यमियों का निवेश के प्रति बढ़ते रुझान एवं उत्साह से सरकार भी उत्साहित है और वह उनके लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। नेचुरल गैस डिस्ट्रीब्यूशन परियोजनाएं न केवल घरेलू उपभोक्ताओं को बेहतर एवं सुरक्षित गैस सेवा उपलब्ध करायेगी बल्कि औद्योगिक इकाइयों के लिए भी इससे निर्बाध एवं सस्ती ऊर्जा मुहैया हो सकेगी।

हाल के वर्षों में नेचुरल गैस की मांग बढ़ी है और नेचुरल गैस का पर्यावरण के अनुकूल स्वच्छ ईंधन होना तथा आर्थिक अनुकूलता इसका प्रमुख कारण रहा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड द्वारा सिटी गैस डिस्ट्रब्यूशन नेटवर्क को बढ़ाने के उद्देश्य से राजस्थान में 17 भौगोलिक क्षेत्र अधिकृत किए गए हैं। प्रदेश के सभी जिलों में गैस डिस्ट्रब्यूशन परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए 13 संस्थाएं अधिकृत की गई हैं। राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड, हरियाणा सिटी गैस डिस्ट्रब्यूशन लिमिटेड, टोरेंट गैस जयपुर प्राइवेट लिमिटेड, अदानी टोटल गैस लिमिटेड इनमें प्रमुख हैं।

राजस्थान में वर्ष 2032 तक 36,028 किलोमीटर गैस पाइपलाइन के बुनियादी ढांचे के निर्माण, 91.35 लाख घरेलू पाइप नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन तथा 1187 कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य में नेचुरल गैस की सप्लाई को बढ़ाने तथा वायु प्रदूषण स्त्रोतों को कम करने के उद्देश्य से भजनलाल सरकार ने बजट घोषणा-2024 के माध्यम से राज्य के आठ शहर जयपुर, कोटा, अलवर, जोधपुर, उदयपुर, बूंदी, अजमेर और पाली में दो हजार किलोमीटर लम्बी गैस पाइप लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है।

भीलवाड़ा में बागेश्वर धाम सरकार की कथा के दौरान अव्यवस्था, प्रशासन पर लगे गंभीर आरोप

भीलवाड़ा/जयपुर । राजस्थान के भीलवाड़ा स्थित कुमुद विहार में आयोजित हनुमंत कथा के दूसरे दिन गुरुवार को वीआईपी गेट पर अव्यवस्था के कारण अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। इसके कारण कई लोगों को चोटें आई हैं। कथा के संरक्षक बनवारी शरण महाराज 'काठिया बाबा' ने आयोजन समिति और पुलिस-प्रशासन पर मनमानी का आरोप भी लगाया। आयोजन स्थल पर पहुंचे कई लोगों ने कहा कि बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री की कथा सुनने आई महिलाओं को वीआईपी पास के बावजूद एंट्री नहीं दी गई। वहीं, वीआईपी गेट पर अव्यवस्था के कारण कई बार भगदड़ की स्थिति भी बनी रही।

वीआईपी पास को लेकर जारी विवाद पर हनुमान टेकरी के महंत काठिया बाबा ने कहा कि वीआईपी पास सभी को दिया गया है। लेकिन, प्रशासन स्वीकार नहीं कर रहा है। अगर फोन करता हूं तो कोई जवाब नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा कर रहे हैं अच्छी बात है, लेकिन सुरक्षा के नाम पर लोगों पर अत्याचार करना गलत है। उन्होंने आगे कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि कमेटी सेवा कर रही है, यह अच्छी बात है, लेकिन कमेटी को मंदिर आना चाहिए था। पूछना चाहिए था कि कितने लोगों को पास देना चाहिए या नहीं। कमेटी वालों ने भी अपनी मनमानी की है। आधा भीलवाड़ा हमारा भक्त है। लेकिन, अपने लोगों को पास दे दिया गया। मंदिर के भक्त कहां जाएंगे। पास वाला सिस्टम बंद होना चाहिए। जिन्होंने कार्यक्रम में पैसा दिया है, उनको आगे बैठाया जाए। इसके अलावा सभी बराबर हैं। जो पहले आएगा, वह आगे बैठेगा। प्रशासन को भी सुरक्षा देनी चाहिए। महंतों का ख्याल रखना चाहिए।

आयोजन स्थल पर पहुंचे लोगों ने कहा कि आम लोगों की कोई सुनने वाला नहीं है। ऐसी स्थिति हो गई है कि लोग भीड़ के कारण दब रहे हैं। कई महिलाओं को चोट लगी है। वीआईपी पास में ऐसी हालत है तो आम जनता के लिए क्या स्थिति होगी, इसे आसानी से समझ सकते हैं। कई बुजुर्ग भी आयोजन स्थल पर गिर गए हैं।

एक महिला चंद्रकला सुमानी ने बताया कि उनके पास वीआईपी पास थे। अगर सीटें नहीं थीं तो वीआईपी पास क्यों जारी किया गया है। यहां पर व्यवस्था काफी खराब है।

कई महिलाओं ने आरोप लगाया कि अव्यवस्था के कारण भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। कई लोग नीचे गिरे लोगों के ऊपर से चढ़कर गुजर गए। कई लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि बच्चों के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया है। हालांकि, अव्यवस्था और तमाम आरोपों पर आयोजकों की तरफ से कोई बयान नहीं आया है।

प्यार

पुष्कर में ऊंट मेला 2024 में एक चरवाहा अपने ऊंट को प्यार से सहलाता हुआ।

किराए पर रहने वाले छात्रों को सरकार हर माह देगी दो हजार रुपए

चूरू। अपने घर से दूर रहकर पढाई करने वाले विद्यार्थियों को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से दो हजार रुपए प्रतिमाह किराया प्रदान किया जाएगा। वर्ष में अधिकतम दस माह के लिए यह सहायता प्रदान की जाएगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक नगेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि द्वारा संचालित अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजना के तहत राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर जिला स्तरीय राजकीय महाविद्यालय (कॉलेज) में नियमित अध्ययनरत छात्र जो कि अध्ययन के लिए अपने घर से दूर दूसरे शहर में किराए के घर में रहते हैं, उनको राज्य सरकार की ओर से हर साल पुनर्भरण राशि के रूप में रुपए बीस हजार प्रदान किए जाएंगे। पात्र अभ्यर्थी को प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में दो हजार रुपए प्रतिमाह अधिकतम दस माह के लिए प्रदान किए जाएंगे। इस योजना का लाभ एक अभ्यर्थी अधिकतम पांच वर्षों के लिए ही प्राप्त कर सकता है। राठौड़ ने बताया कि अभ्यर्थी जिस जिले के राजकीय महाविद्यालय में अध्ययनरत है, वह उस जिले की नगरपालिका/नगर परिषद/नगर निगम का निवासी न हो तथा अभ्यर्थी के माता-पिता के पास उस जिले की नगरपालिका/नगर परिषद/नगर निगम में स्वयं का मकान न हो, तो ही इस योजना के अभ्यर्थी को पात्र माना जाएगा।

हुब्बल्ली में गुरुवार को वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल किसानों से मिले।

वक्फ विवाद : जेपीसी अध्यक्ष ने कर्नाटक में पीड़ित किसानों से 500 से अधिक अर्जियां प्राप्त कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली/विजयपुरा। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को बृहस्पतिवार को कर्नाटक के उत्तरी जिलों के उन किसानों से 500 से अधिक अर्जियां प्राप्त हुईं, जिन्होंने आरोप लगाया है कि उनकी जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है। बेंगलूरु दक्षिण के सांसद और जेपीसी सदस्य तेजस्वी सूर्या भी उनके साथ थे।

पाल ने अपनी यात्रा के दौरान हुब्बल्ली, विजयपुरा और बेलगावी का दौरा किया, इस दौरान उन्होंने किसानों और विभिन्न संगठनों के सदस्यों से मुलाकात की, जिन्होंने शिकायत की थी कि राज्य वक्फ बोर्ड उनकी जमीन पर दावा कर रहा है। बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या के कार्यालय ने एक बयान में कहा, जगदंबिका पाल और सूर्या को विजयपुरा, बीदर, कलबुर्गी, हुब्बल्ली, बागलकोट और बेलगावी के किसानों की 500 से अधिक याचिकाएं प्राप्त हुईं, जिनमें कहा गया था कि उनकी कृषि भूमि पर वक्फ बोर्ड द्वारा वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा रहा है। पाल ने कहा कि वह ''तथ्य अन्वेषण'' और पीड़ितों से मिलने के लिए राज्य में आए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों और विभिन्न संगठनों ने उन्हें दस्तावेज और ज्ञापन सौंपे हैं। पाल ने कहा कि किसानों और संगठनों को आश्वासन दिया गया है कि उनके मुद्दे पर जेपीसी में चर्चा की जाएगी और रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा।

उन्होंने पूछा, हो सकता है कि राज्य सरकार ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को किसानों को बेदखल न करने के निर्देश दिए हों, लेकिन क्या इस मुद्दे का समाधान हो जाएगा? रिकॉर्ड में छेड़छाड़ की गई है, वक्फ ने दस्तावेजों में बदलाव सुनिश्चित किए हैं। राज्य सरकार इस पर क्या कर रही है और इसके लिए कौन जिम्मेदार है? वहीं राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा, ''ऐसा नहीं लगता कि जेपीसी समिति के रूप में कोई दौरा हो रहा है, क्योंकि अध्यक्ष नियमों की अनदेखी करते हुए अकेले दौरा कर रहे हैं। यह राजनीति से प्रेरित दौरा प्रतीत होता है।''

बाद में, विजयपुरा की अपनी यात्रा के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए पाल ने कहा, जब एक पारदर्शी कानून (वक्फ कानून) लागू होने जा रहा है, तो किसी को हर जिले में अदालतें (वक्फ अदालतें) आयोजित करने और भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित करने की क्या जल्दी है?'' किसानों और संगठनों द्वारा उन्हें सौंपी गई विभिन्न याचिकाओं पर प्रकाश डालते हुए पाल ने कहा कि राज्य सरकार को जवाब देना होगा कि राज्य में ऐसी चीजें क्यों हो रही हैं।

मित्सुबिशी समूह की कंपनी 'क्लिमावेनेटा' करेंगी 400 करोड़ का निवेश

कोलार-नरसापुरा में विनिर्माण सुविधा पर कम्पनी करेंगी निवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जापानी बहुराष्ट्रीय मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक समूह की बेंगलूरु मूल की क्लिमावेनेटा क्लाइमेट टेक्नोलॉजीज कोलार जिले के नरसापुरा में उच्च दक्षता वाले कूलिंग उपकरण बनाने वाली अत्याधुनिक संयंत्र में 400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर रही है। क्लिमावेनेटा उच्च दक्षता वाले कूलिंग उपकरण, परिशुद्धता के साथ-साथ डेटा सेंटर कूलिंग सिस्टम का अग्रणी निर्माता है। कम्पनी के पास 500 करोड़ रुपए से अधिक की ऑर्डर बुकिंग है और कंपनी अगले 5 वर्षों में वार्षिक ऑर्डर को दोगुना करने का लक्ष्य बना रही है।

क्लिमावेनेटा, भारत की सबसे तेजी से बढ़ती चिलर (ठंडा वातानुकुलित उपकरण) उत्पादक और भारत में को-लोकेशन डीसी चिलर्स में मार्केट लीडर है। कम्पनी अत्याधुनिक संयंत्र एचवीएसी अनुप्रयोग के लिए स्क्रू चिलर्स, मैग्नेटिक लेविटेशन टेक्नोलॉजी चिलर्स, स्क्रॉल चिलर्स, पारंपरिक सेंट्रीफ्यूगल चिलर्स, उच्च परिशुद्धता एसी इकाइयों, हीट पंप जैसे केंद्रीय एयर कंडीशनिंग उपकरण का निर्माण करेगी।

कम्पनी अपने उत्पादों व सेवा द्वाराअग्रणी वैश्विक डीसी कंपनियां, बहुराष्ट्रीय होटल श्रृंखलाएं, स्वास्थ्य देखभाल संस्थान, मॉल, मल्टीप्लेक्स, अग्रणी डेवलपर्स की वाणिज्यिक परियोजनाएं, कॉर्पोरेट समूह और औद्योगिक सेवाएं शामिल हैं।

क्लिमावेनेटा कम्पनी के भारत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल देव ने कहा कि भारत का तेजी से डिजिटलीकरण, सरकारी पहल, ई-कॉमर्स, क्लाउड अपनाने और एआई द्वारा संचालित होने के कारण देश में मजबूत डेटा सेंटर बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है। डेटा केंद्रों में उपकरण विफलताओं को रोकने के लिए विश्वसनीय शीतलन प्रणाली(चिल्लर-वातानुकुलित)आवश्यक हैं। मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक हाइड्रोनिक और आईटी कूलिंग एसपीए. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मासाफुमी एंडो ने कहा कि समूह पूर्ण कार्बन तटस्थता प्राप्त करने के लिए 2050 तक लक्ष्य बना रहा है और क्लिमावेनेटा इंडिया इस योजना में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

आईटीआई लि. के नेतृत्व वाला कंसोर्टियम एल1 के रूप में उभरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली/दक्षिण भारत। प्रमुख दूरसंचार विनिर्माण कंपनी आईटीआई लिमिटेड अपने कंसोर्टियम साझेदार के साथ हिमाचल प्रदेश में पैकेज संख्या 8 के लिए भारतनेट चरण-3 परियोजना में एल1 के रूप में उभरी है। वहीं, पश्चिम बंगाल और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में पैकेज संख्या 9 है। इनका कुल ऑर्डर मूल्य 3022 करोड़ रुपए है। बताया गया कि आईटीआई लि. के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम को देशभर में फैले कुल 16 पैकेजों में से 11 पैकेजों के लिए अब तक निविदा खोली गई थी, जिनमें से इन दो पैकेजों में सफलता मिली है। बीएसएनएल ने 16 पैकेजों/सर्किलों में भारतनेट के मिडिल माइल नेटवर्क के डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, स्थापना, अपग्रेडेशन, संचालन और रखरखाव के लिए निविदाएं आमंत्रित की थीं। भारतनेट चरण-3 परियोजना की परिकल्पना डिजाइन, निर्माण, संचालन और रखरखाव मॉडल पर भारतनेट के मिडिल माइल नेटवर्क के विकास के लिए की गई है।

इस अवसर पर आईटीआई लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, 'हमें हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में भारतनेट चरण-3 परियोजना के लिए एल1 के रूप में उभरने पर खुशी है। भारतनेट राष्ट्र निर्माण परियोजना है। इसके कार्यान्वयन का हिस्सा बनकर मुझे अत्यधिक संतुष्टि हो रही है।'

उन्होंने कहा, 'भारतनेट परियोजना का मकसद ग्रामीण भारत को सशक्त बनाना है, जिससे रोजगार, अवसरों और विकास का सृजन होगा। हाई-स्पीड इंटरनेट ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए बड़ा वरदान साबित होगा। आईटीआई लि. भारत के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को निर्बाध रूप से जोड़ने की भारत सरकार की पहल में सहयोग करने पर केंद्रित है।'

दुष्कर्म के दोषी को 20 साल का कठोर कारावास

उडुप्पी। कर्नाटक में उडुपी की अतिरिक्त जिला अदालत एवं पाक्सो की विशेष अदालत ने बुधवार को 21 वर्षीय एक युवक को 17 वर्षीया नाबालिग को शादी का झांसा दे कर उससे बलात्कार करने और उसे गर्भवती करने का दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास एवं आर्थिक दंड की सजा सुनायी। दोषी युवक का नाम मिथुन है और वह कुंडापुर का रहने वाला है। उसने कालेज की 17 वर्षीय छात्रा से दोस्ती की और शादी का वादा करके जनवरी 2023 से उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। लड़की के शरीर में बदलाव दिखाई देने पर उसके परिजन उसे अस्पताल ले गये जहां डॉक्टरों ने बताया कि वह गर्भवती है।

'कर्नाटक में राजनीति करने आए हैं जगदंबिका पाल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल के राज्य के दौरे को ''ड्रामा कंपनी'' का दौरा करार दिया और इसे ''राजनीति से प्रेरित'' बताया।

शिवकुमार ने कहा कि पाल ने यह दौरा राज्य में होने वाले उपचुनाव और पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए किया है। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने जेपीसी अध्यक्ष पर राजनीतिक दुष्प्रचार में संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह कोई संयुक्त संसदीय समिति नहीं है जो दौरा कर रही है, क्योंकि केवल भाजपा के सदस्य ही आए हैं और राजनीति कर रहे हैं।

पाल हुब्बल्ली, विजयपुरा और बेलगावी का दौरा कर रहे हैं और इस दौरान वे किसानों और विभिन्न संगठनों के सदस्यों से मिलेंगे जिनकी जमीन पर राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा दावा किया जा रहा है। बेंगलूरु दक्षिण के सांसद और जेपीसी सदस्य तेजस्वी सूर्या उनके साथ हैं।

शिवकुमार ने कहा, ''यह एक ड्रामा कंपनी है। जेपीसी का मतलब है कि सभी सदस्यों को आना होगा, सरकारों और अधिकारियों को भी सूचित करना होगा... केवल अध्यक्ष ही आए हैं। वह एक अन्य सांसद के साथ पार्टी के काम से आए हैं।'' उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''क्या बोम्मई (सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई) जेपीसी के सदस्य हैं या वी सोमन्ना सदस्य हैं? सोमन्ना केंद्रीय मंत्री हैं, वह जेपीसी का हिस्सा नहीं हो सकते। वह (अध्यक्ष) अर्जी लेने आए हैं और राजनीतिक प्रचार कर रहे हैं।'' बोम्मई और सोमन्ना दोनों ने दिन में पाल से मुलाकात की थी।

दरअसल विजयपुरा जिले के किसानों के एक वर्ग ने आरोप लगाया था कि उनकी जमीन को वक्फ की संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है और बाद में कुछ अन्य जगहों से भी इसी तरह के आरोप सामने आए। इसी तरह के आरोप कुछ संगठनों और मठों जैसी धार्मिक संस्थाओं ने भी लगाए हैं। विवाद बढ़ने पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को जारी किए गए सभी नोटिस तुरंत रद्द कर दिए जाएं और बिना उचित सूचना के भूमि अभिलेखों में किए गए किसी भी अनधिकृत संशोधन को भी निरस्त कर दिया जाए। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने भी कहा, ''ऐसा नहीं लगता कि जेपीसी समिति के रूप में कोई दौरा कर रहा है, क्योंकि अध्यक्ष नियमों की अनदेखी करते हुए अकेले दौरा कर रहे हैं। यह राजनीति से प्रेरित दौरा प्रतीत होता है।''

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने जगदंबिका पाल से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को वक्फ संशोधन बिल पर बनी संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। इस बीच, केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवादी नारायणस्वामी, विधानसभा में विपक्ष के उपनेता अरविंद बेलाड, विधायक महेश तेंगिनाकाई, पूर्व सांसद प्रताप सिन्हा और कई अन्य नेता मौजूद रहे। इस दौरान, सभी ने इस बिल को देशहित में सही बताया।

इसके अलावा, जगदंबिका पाल ने हुब्बल्ली में किसानों के प्रतिनिधिमंडल से भी मुलाकात की। इस दौरान किसानों ने उन्हें बताया कि किस तरह से वक्फ बोर्ड ने उनकी जमीनों को अपने कब्जे में ले रखा है। इस पर पाल ने कहा कि यह सबकुछ बिना प्रशासन के सहयोग के मुमकिन नहीं है। जिस तरह से किसानों के हितों पर कुठाराघात करते हुए उनकी जमीन को कब्जे में लिया गया है, उससे यह साफ जाहिर है कि इसके पीछे प्रशासन की भी संलिप्तता है।

पाल ने कहा कि मुझे लगा था कि 10 -15 किसानों का प्रतिनिधिमंडल इस संबंध में मुझे ज्ञापन सौंप सकता है। लेकिन, अब तक मुझे इस संबंध में 70 ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं। मैं सभी ज्ञापन पर विचार कर उस पर बाकायदा एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करूंगा, ताकि आगे की रूपरेखा तैयार की जा सके।

इससे पहले विपक्षी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर जगदंबिका पाल पर मनमानी करते हुए एकतरफा फैसले लेने का आरोप लगाया था। विपक्षी सांसदों ने शिकायत की थी कि संयुक्त संसदीय समिति में उनकी बातों को नहीं सुना जा रहा है, उन्हें अनदेखा किया जा रहा है। जगदंबिका पाल अपनी मनमानी कर रहे हैं। वहीं, जगदंबिका पाल ने विपक्षी सांसदों के इन आरोपों को सिरे से खारिज किया था। उधर, बीते दिनों भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या ने जगदंबिका पाल को पत्र लिखा था। उन्होंने बैठक में किसानों को भी शामिल होने के लिए कहा था। उन्होंने कहा था कि वक्फ बोर्ड पर किसानों की जमीन हड़पने का आरोप है। ऐसे में बैठक में किसानों को भी शामिल किया जाए, ताकि वो भी खुलकर अपनी बात रख सके। भाजपा नेता ने कहा था कि अगर उन्हें अपनी बात रखने का मौका मिलेगा, तो उनके लिए आगे चलकर समाधान के रास्ते तैयार होंगे। यही नहीं, वक्फ बोर्ड पर कई ऐतिहासिक स्मारकों को भी अपने कब्जे में लेने का आरोप है, जबकि एएसआई पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि इन ऐतिहासिक स्मारकों का मालिकाना हक वक्फ समिति के पास नहीं है।

ईडी ने फेमा जांच में अमेजन, फ्लिपकार्ट के 'तरजीही' विक्रेताओं के परिसरों पर छापेमारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ''प्रत्यक्ष विदेशी निवेश उल्लंघन'' जांच के तहत ई-कॉमर्स कंपनियों अमेजन और फ्लिपकार्ट के लिए काम करने वाले कुछ ''मुख्य विक्रेताओं'' के परिसरों पर बृहस्पतिवार को छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के तहत दिल्ली, गुरुग्राम और पंचकूला (हरियाणा), हैदराबाद (तेलंगाना) और बेंगलूरु (कर्नाटक) में स्थित इन ''तरजीही'' विक्रेताओं के कुल 19 परिसरों की तलाशी ली गई।

बताया जा रहा है कि ईडी ने करीब छह ऐसे विक्रेताओं के दस्तावेजों का अवलोकन किया और कुछ की प्रतियां लीं। विक्रेताओं के नाम नहीं बताए गए। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत दो बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ कई शिकायतों पर जांच शुरू की है। आरोप लगाया गया है कि ये कंपनियां प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं या सेवाओं के बिक्री मूल्य को प्रभावित करके और सभी विक्रेताओं को समान अवसर प्रदान नहीं करके भारत के एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) नियमों का उल्लंघन कर रही हैं। दोनों ई-कॉमर्स कंपनियों की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने ईडी की कार्रवाई का स्वागत किया। सीएआईटी के महासचिव और दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने एक बयान में कहा, सीएआईटी कई अन्य व्यापार संगठनों के साथ पिछले कुछ वर्षों से इन मुद्दों को उठा रहा है। मैं ईडी की कार्रवाई का स्वागत करता हूं और इसे सही दिशा में उठाया गया कदम मानता हूं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हाल में यही चिंता जताई थी और उन्होंने भारत में एक अरब डॉलर के निवेश की अमेजन की घोषणा पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा था कि अमेरिकी खुदरा विक्रेता कंपनी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कोई बड़ी सेवा नहीं कर रही है, बल्कि देश में उसे जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कर रही है। उन्होंने अगस्त में कहा था कि भारत में उनका भारी घाटा हेरफेर कर कम कीमत रखकर बाजार पर एकाधिकार बनाने का संकेत देता है, जो देश के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि इससे करोड़ों छोटे खुदरा विक्रेता प्रभावित होते हैं।

खंडेलवाल ने कहा कि सीएआईटी ने सीसीआई और ईडी से छोटे व्यापारियों के व्यापार की रक्षा करने का आग्रह किया है। उन्होंने एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाले नए भारत में कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। मुझे उम्मीद है कि अब कानून अपना काम करेगा और छोटे दुकानदारों की आजीविका की रक्षा करेगा।

भाजपा के विज्ञापन पर मुख्यमंत्री ने पलटवार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बल्लारी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई द्वारा ''कर्नाटक सरकार के खिलाफ वादा किया, धोखा दिया'' शीर्षक से विज्ञापन जारी करने और वादे पूरे न करने का आरोप लगाए जाने के बाद राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को पलटवार किया व ''वादा दिया, पूरा किया'' का नारा दिया।

बल्लारी जिले के संदूर कस्बे में विधानसभा उपचुनाव को लेकर एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कर्नाटक सरकार द्वारा महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा (शक्ति योजना) सहित गारंटी योजनाओं के ''सफल कार्यान्वयन'' पर बल दिया। वादा दिया, पूरा किया।

सिद्दरामय्या ने कहा कि भाजपा का काम इसी तरह से ''झूठ फैलाना'' है और यही इसकी ''पारिवारिक परंपरा'' है। उन्होंने कहा कि भाजपा के ''अधूरे वादों''

के विपरीत कर्नाटक की पांच प्रमुख गारंटी योजनाओं का लाभ सुचारू रूप से लोगों को मिल रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काले धन को वापस लाने और रोजगार सृजन जैसे आश्वासनों को ''अधूरे वादे'' करार दिया और सवाल उठाते हुए कहा, आपके अच्छे दिन कहां हैं? मुख्यमंत्री ने ''झूठ'' फैलाने के लिए विज्ञापनों पर ''भारी खर्च'' करने को लेकर भी भाजपा की आलोचना की।

लोकायुक्त पुलिस मुडा मामले में फिर से सिद्दरामय्या को कर सकती है तलब : मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) के भूखंड आवंटन मामले की जांच कर रही लोकायुक्त पुलिस जरूरत पड़ने पर फिर से पूछताछ करने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को तलब कर सकती है। उनके कानूनी सलाहकार ए एस पोन्नाना ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सिद्दरामय्या उन्हें जारी किये गए समन के जवाब में बुधवार को मैसूरु में लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हुए और उनसे लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक टी जे उदेश के नेतृत्व वाली एक टीम ने पूछताछ की।

वरिष्ठ अधिवक्ता एवं विधायक पोन्नाना ने कहा, यह जांच अधिकारी के विवेक पर छोड़ दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि उन्होंने उनसे पूछे गए सभी सवालों के जवाब दे दिए हैं। अगर कुछ भी बाकी है या आगे की जांच के दौरान अगर उन्हें (जांचकर्ताओं को) कोई जानकारी मिलती है और यदि उन्हें लगता है कि वे उनका बयान दर्ज करना चाहते हैं, तो वे उन्हें (मुख्यमंत्री को) बुला सकते हैं।

पोन्नाना ने कहा, ''पुरानी दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) 41ए के अनुसार, उन्होंने (जांचकर्ताओं ने) नोटिस दिया और उन्होंने (मुख्यमंत्री की) उपस्थिति दर्ज की तथा कहा है कि यदि आवश्यक हुआ तो वे फिर से बुलाएंगे। यह एक सामान्य जांच प्रक्रिया है...जांच के दौरान जांच अधिकारी जितनी बार चाहें आरोपी या गवाहों को बुला सकते हैं।'' लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी में आरोपी संख्या एक के रूप में नामजद मुख्यमंत्री, एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी पार्वती बी एम को 14 भूखंडों के गैरकानूनी आवंटन के आरोप का सामना कर रहे हैं। लोकायुक्त पुलिस ने 25 अक्टूबर को मुख्यमंत्री की पत्नी से पूछताछ की थी, जिन्हें आरोपी संख्या 2 के रूप में नामजद किया गया है।

सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी, करीबी रिश्तेदार मल्लिकार्जुन स्वामी और देवराजू 'जिनसे स्वामी ने जमीन खरीदकर पार्वती को उपहार में दी थी' और अन्य को मैसूर लोकायुक्त पुलिस द्वारा 27 सितंबर को दर्ज की गई प्राथमिकी में नामजद किया गया है। स्वामी और देवराजू पहले ही लोकायुक्त पुलिस के समक्ष बयान दर्ज करा चुके हैं।

दपरे के पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान 3.0

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने अपने पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (जीवन प्रमाणपत्र) जमा करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान 3.0 शुरू किया है। इस नए डिजिटल अभियान के माध्यम से, पेंशनभोगी अब बैंक या अन्य संबंधित कार्यालयों में गए बिना अपनी पेंशन जारी रखने के लिए घर से ही अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र का मुख्य लाभ यह है कि इससे सभी पेंशनभोगियों, विशेषकर वरिष्ठ पेंशनभोगियों को सुविधा, सुरक्षा और समय की बचत होने की उम्मीद है।

गुरुवार को हावेरी के नारायणपुर में बीजेपी उम्मीदवार भरत बोम्मई के समर्थन में केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना ने चुनाव अभियान चलाया। इस मौके पर सांसद विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी, पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा, पूर्व मंत्री बीसी पाटिल समेत अनेक नेता मौजूद थे।

सिद्दरामय्या को अहसास नहीं कि उन्होंने गलती की है : वी. सोमन्ना

शिगगांव/हावेरी। यहां केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि मुडा घोटाले में फंसे मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को अहसास नहीं कि उन्होंने गलती की है और उन्हें नहीं पता कि मौजूदा चुनौतीपूर्ण स्थिति के लिए वे ही जिम्मेदार हैं। सोमन्ना ने उपचुनाव की पृष्ठभूमि में शिगगांव में विभिन्न मठों का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यह टिप्पणी की।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक के इतिहास में किसी भी मौजूदा मुख्यमंत्री को इस तरह की कानूनी जांच का सामना नहीं करना पड़ा है। सिद्दरामय्या को अपनी गलती का अहसास नहीं है और इसलिए उन्होंने अपने बयान को सही ठहराने के लिए उन्हें 'पिंजरे में बंद तोता' कहा।

सिद्दरामय्या के इस दावे के जवाब में कि भाजपा नेता जमानत पर हैं, केंद्रीय मंत्री ने सवाल किया कि अगर सिद्दरामय्या में विवेक होता और वे सच्चे राजनेता होते तो क्या वे अपनी गलतियों को स्वीकार कर सकते थे। क्या सिद्दरामय्या द्वारा किए गए गलत कामों के लिए हम जिम्मेदार हैं? दरअसल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार जमानत पर हैं और अब सिद्दरामय्या के लिए भी यही स्थिति पैदा हो रही है।

वक्फ संपत्ति विवाद के बारे में पूछे जाने पर सोमन्ना ने कहा कि मुसलमानों का कल्याण रुका नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस संबंध में महत्वपूर्ण काम कर रहे हैं और एक महीने के भीतर समाधान हो जाएगा, इस मुद्दे से संबंधित विधेयक जल्द ही केंद्रीय स्तर पर लागू किया जाएगा। इससे हजारों लोगों को फायदा होगा। उन्होंने इस बात से इनकार किया कि भाजपा ने वक्फ संपत्ति मुद्दे का राजनीतिकरण किया है और कहा कि सिद्दरामय्या इस समस्या के लिए जिम्मेदार हैं, उन्होंने इसे खुद ही पैदा किया है।

सुविचार

शीशा और रिश्ता दोनों नाजुक होते हैं, पर दोनों में अंतर यह है कि, शीशा गलती से टूट जाता है और रिश्ता गलतफहमी से!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'शत्रुबोध' की कमी

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जिक्र करते हुए सत्य कहा कि 'उन्होंने हमेशा स्थिति को सुधारने की कोशिश की थी।' वाजपेयी ने बतौर प्रधानमंत्री, लोगों को करीब लाने की कोशिशें की थीं, जिससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में श्रद्धांजलि सभा के दौरान उमर अब्दुल्ला ने वाजपेयी के दौर को याद करते हुए उनकी कोशिशों को सराहा, लेकिन मुख्यमंत्री के कुछ शब्दों में उन्हीं 'भूलों' के प्रति एक आग्रह दिखाई देता है, जो हमारी सभी सरकारों से कहीं-न-कहीं हुई थीं। भारत में आज भी राजनेताओं, बुद्धिजीवियों, लेखकों और वक्ताओं का एक बहुत बड़ा वर्ग है, जो यह मानता है कि भारत और पाकिस्तान के रिश्ते 'बातचीत' से अच्छे हो जाएंगे। उमर अब्दुल्ला के शब्दों - 'फिर वे (वाजपेयी) सरहद पर खड़े हो गए और कहा कि हम दोस्त बदल सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं ... बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने असफलताओं का सामना करने के बावजूद बार-बार दोस्ती का हाथ बढ़ाया ...' में भी यही भावना झलकती है। भारत-पाकिस्तान के रिश्ते अच्छे होने चाहिएं। इससे दोनों तरफ आम लोगों को बहुत फायदा हो सकता है। हमारे देश में जिस भी दल / गठबंधन की सरकार रही, उसने इस बात के लिए कोशिशें जरूर की थीं कि रिश्तों में बेहतरी आए। प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू से लेकर वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक, सबने अपने-अपने तरीके से मैत्री और सद्भाव कायम करने के लिए भरपूर कोशिशें कीं। इसके बदले पाकिस्तान से क्या मिला? धोखा, युद्ध, आतंकवाद ...! अगर आज कोई व्यक्ति (चाहे वह वरिष्ठ राजनेता हो या आम आदमी) यह सोचता है कि पाकिस्तान के साथ रिश्ते 'बातचीत' करने से अच्छे हो सकते हैं, तो यह उसकी नेक भावना तो हो सकती है, लेकिन उसका हकीकत से उतना ही निकट संबंध होगा, जितना डोनाल्ड ट्रंप का अयातुल्ला ख़ामेनेई से है!

न जाने क्यों, भारत में बहुत लोग (जिनमें बड़े-बड़े बुद्धिजीवी शामिल हैं) इस बात पर खूब जोर देते हैं कि 'हमें पाकिस्तान के साथ बार-बार बातचीत की कोशिशें करनी चाहिएं, बातचीत से सबकुछ ठीक हो जाएगा!' बातचीत करने से किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? उसके साथ यह भी तो देखें कि ऐसी हर बातचीत का क्या नतीजा निकला? अगर वाजपेयी की ही मिसाल लें तो वे बहुत अच्छे माहौल में बस लेकर लाहौर गए थे। उनके उस कदम को वहां बहुत सराहा गया था। उसके कुछ दिन बाद कारगिल युद्ध हो गया, जिसकी साजिश उस वक्त रची जा चुकी थी, जब वाजपेयी लाहौर में दोस्ती का हाथ बढ़ा रहे थे। यह हमारे साथ बहुत बड़ा धोखा हुआ था, जिसे हमें कोरी भावुकता से ऊपर उठकर याद रखना चाहिए। उमर अब्दुल्ला के इन 'शब्दों' में किसी वरिष्ठ राजनेता की परिपक्वता से ज्यादा ऐसी भावुकता झलकती है, जिन्हें हर दूसरे टीवी चैनल, यूट्यूब चैनल पर लोग दोहराते दिख जाते हैं कि 'उन्होंने (वाजपेयी) नियंत्रण रेखा (एलओसी) के आर-पार के रास्तों को खोलने के लिए काम किया, जो बाद में फिर से बंद हो गए ... आज हमें अलग रखने की कोशिश की जा रही है।' जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री को यह भी बताना चाहिए कि वे 'रास्ते' फिर से बंद क्यों हुए और 'अलग' रखने की कोशिश किसने की? अगर हम किसी के लिए अपने घर का दरवाजा खोलते हैं तो यह अपेक्षा जरूर रखते हैं कि सामने जो व्यक्ति हो, वह हमें या हमारे घर में किसी को नुकसान न पहुंचाए। जब हम देश के 'दरवाजे' किसी के लिए खोलते हैं तो इसी सामान्य नियम को व्यापक सन्दर्भ में देखा जाना चाहिए। पाकिस्तान एलओसी पर कोई समाजसुधारक नहीं, बल्कि आतंकवादी भेजता है, जिनके दिलों में हमारे लिए नफरत भरी होती है। उस इलाके में आतंकवादियों के मददगार और आईएसआई के एजेंट भी पकड़े जाते रहे हैं। क्या इन सबके बावजूद भारत सरकार को यह फैसला लेना चाहिए कि वह पाकिस्तान से बातचीत की पहल करे और एलओसी पर किसी को भी आने-जाने की छूट दे दे? उसके बाद कैसे हालात पैदा हो सकते हैं, इसका कोई अंदाजा है? ऐसे बयान स्पष्ट रूप से 'शत्रुबोध' की कमी जाहिर करते हैं, जिसकी वजह से हमें बार-बार धोखा ही मिला है।

ट्वीटर टॉक

सूर्य उपासना व लोक आस्था के महापर्व 'छठ पूजा' के पावन अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। तप और समर्पण के इस पर्व पर सृष्टि के पालनकर्ता सूर्यदेव एवं छठी मैय्या सभी की सुख, शांति एवं समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।

-वसुंधरा राजे

बूंदी के केशवराय पाटन में आज कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। शिक्षा, रोड कनेक्टिविटी, खेल सुविधाएं, पेयजल से जुड़े यह कार्य ग्रामीण अंचल में मूलभूत सुविधाओं की स्थिति को सुदृढ़ करते हुए जन-जीवन को बेहतर बनाएंगे।

-ओम बिरला

देश के होनहार छात्रों को मिलेगा नया सहारा! केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'पीएम विद्यालक्ष्मी' योजना को मंजूरी दी, जिससे आर्थिक सीमाएँ अब छात्रों के सपनों के आड़े नहीं आएँगी। अब हर मेधावी छात्र को उच्च शिक्षा का मौका मिलेगा!

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

नजरिये का फर्क

एक बार विख्यात दार्शनिक इमैनुअल कांट के साथ जिज्ञासुओं का समूह था। वह सभी अनुभव और परीक्षण पर अपने आप को बेहतर कह रहे थे। इमैनुअल कांट ने उनसे पूछा कि अभी-अभी आप सब जिस जगह से गुजरे वहां क्या था। सभी ने उछलकर कहा 'देखा, हरी घास थी।' हंसते हुए कांट उन सबको दोबारा वहीं ले गये और कहा कि, 'अब गौर से देखो घास के बीच में पीले और नीले फूल खिले हैं।' सबने तसल्ली से देखा तो सचमुच, बहुत ही खूबसूरत पीले तथा नीले फूल खिले हुए थे। इमैनुअल कांट ने उनको वहीं पर मंत्र दिया। कम देखो मगर बारीकी से देखो। वर्ष 1724 में जन्मे इमैनुअल कांट ने अपने दर्शन को 'ट्रान्सेंडैंटल आइडियलिज्म' के सिद्धांत पर आधारित किया, जो इस बात के बीच अंतर को पहचानता है कि हम क्या अनुभव कर सकते हैं और क्या नहीं।

सामयिक

गाय भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग

ई. प्रभात किशोर

मोबाइल : 8544128428

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एक पीठ ने 1 सितंबर 2021 को पारित एक आदेश में गाय को भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग बताया और इसे राष्ट्रीय पशु घोषित करने हेतु केंद्र सरकार को संसद में एक विधेयक लाने का सुझाव दिया। इससे पहले 31 मई 2017 को राजस्थान उच्च न्यायालय ने भी केंद्र सरकार को गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की अनुशंसा की थी तथा गाय को हानि पहुंचाने वालों के विरुद्ध सख्त कानून बनाये जाने पर जोर दिया गया था। जीवन का अधिकार मारने के अधिकार से ऊपर है और गोमांस खाने के अधिकार को कभी भी मौलिक अधिकार नहीं माना जा सकता है।

न्यायालय के निर्णय में कहा गया है कि ऋग्वेद के अनुसार, गाय के दूध, दही, घी, मूत्र और गोबर का उपयोग करके तैयार किया गया पंचगव्य कई असाध्य रोगों के उपचार और प्रतिरक्षा के निर्माण में सहायक होता है। आयुर्वेद के अनुसार गव्यं पवित्रं च रसायनं च, पथ्यं च हृदयं बलबुद्धिम। आयुः प्रदं रक्तविकारहारि, त्रिदोषहृद्रोगविषापहं स्यात (अर्थात पंचगव्य शुद्ध रसायन है। यह आहार और हृदय के लिए लाभकारी है। यह आयु, शक्ति और बौद्धिक क्षमतावर्द्धक है और रक्त की सभी अशुद्धियों को नष्ट करता है। यह तीन दोषों यथा- वात, पित्त और कफ का नाशक है तथा यह हृदय संबंधी विकारों को ठीक कर सकता है)। धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से गाय अनादि काल से भारतीय समाज में ध्यान का केंद्र और पूजनीय रही है। सनातन धर्म के अनुयायी सदियों से गाय की वंदना करते आ रहे हैं। वैदिक संस्कृति की मान्यता के अनुसार गाय में 33 कोटि (श्रेणी) की देवी-देवताओं का वास होता है। भगवान कृष्ण ने अपना समस्त ज्ञान गाय की छत्रछाया में प्राप्त किया था। भगवदगीता (10.28) में उन्होंने कहा है धेनुनस्मि कामधुकः (अर्थात मैं जो भी हूं, गायों में कामधेनु हूं)।

सनातन धर्म में कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को गोपाष्टमी का पर्व बड़े धूमधाम से एवं भक्तिभाव से मनाया जाता है तथा गौ माता की पूजा की जाती है। यह वयस्कता का उत्सव है जब नंद ने समारोह आयोजित कर पांच वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले कृष्ण तथा बलराम को उस समय की परम्परा के अनुसार वृन्दावन के गायों की देखभाल की जिम्मेवारी सौंपी थी। चारों वेदों ने गाय के महत्व पर प्रकाश डाला है और उसे सृष्टि का प्रतीक बताया है। ऋग्वेद में कहा गया है कि गाय रुद्र की माता, वसु की पुत्री, आदित्य (अग्नि) की बहन, अमृत (दूध) का भंडार एवं गृह अघन्या है और उसकी कभी भी हत्या नहीं की जानी चाहिए। उसकी पूजा एवं सेवा से मानव को मोक्ष की प्राप्ति होती है। यजुर्वेद के अनुसार, गो समाना न विद्यते, अर्थात गाय ही संसार के जीवित प्राणियों में से एक है जो आदि से अंत तक उपयोगी है। सामवेद के अनुसार गाय से प्राप्त सभी वस्तुएँ पवित्र होती हैं। अथर्ववेद के अनुसार, धेनूः सदनं रमीणाम, अर्थात गाय समृद्धि की अधिष्ठात्री है।

गाय की उत्पत्ति मूल रूप से समुद्र मंथन के दौरान हुई थी और यह नवरत्नों में से एक है। वह आठ प्रकार के धन का भंडार है और गो-लक्ष्मी से किसान धनवान बनते हैं। गाय पड़ोसी देश नेपाल का राष्ट्रीय पशु है। इंडोनेशिया में मुसलमान अभी भी अपने पूर्वजों, जो सनातनी थे, का अनुसरण करते हुए गायों का वध नहीं करते हैं। ईसा मसीह ने कहा था कि गाय की हत्या मनुष्य की हत्या के समान है। भगवान बुद्ध ने जहां गाय को मानव का मित्र बताया है, वहीं जैनियों ने गाय को स्वर्ग की संज्ञा दी है। बाल गंगाधर तिलक ने कहा था कि तुम मुझे मार सकते हो लेकिन गाय को चोट मत पहुंचाओ। पंडित मदन मोहन मालवीय ने गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध की वकालत की थी। गांधीजी ने गाय को दया की मूरत बताया और उसे भारतीय संस्कृति का प्रतीक माना। उन्होंने कहा कि वह भारत में ऐसा स्वराज्य नहीं चाहते जहां गायों की हत्या की जाय। हालांकि मवेशियों का वध और गोमांस का सेवन कई मुस्लिम त्योहारों और संस्कृति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, परन्तु देश का अधिकांश मुस्लिम नेतृत्व सर्वदा गोहत्या पर देशव्यापी प्रतिबंध के पक्ष में रहे हैं। ख्वाजा हसन निजामी ने अपनी पुस्तक तर्क-ए-गाओ कुशी में गाय को न मारने के संबंध में लिखा है। यहाँ तक कि अकबर, हुमायूँ और बाबर ने भी अपने राज में गाय की हत्या नहीं करने की अपील की थी। मैसूर के शासक हैदर अली ने तो गोहत्या को दंडनीय अपराध बना दिया था। भारत के संविधान के निर्माण के दौरान, संविधान सभा के कई सदस्यों ने गोरक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में शामिल करने पर जोर दिया था।

वैज्ञानिकों का मत है कि गाय ही एकमात्र जीवित प्राणी है जो ऑक्सीजन ग्रहण करती है और ऑक्सीजन हीं छोड़ती है। यह अपने सींगों के माध्यम से ब्रह्मांडीय ऊर्जा को अवशोषित करती है। गौमूत्र में किसी भी प्रकार के कीटाणुओं को नष्ट करने का चमत्कारी गुण मौजूद है। यह दिल और दिमाग को उर्जा प्रदान करता है और बुढ़ापा को रोकता है। रूसी वैज्ञानिकों के अनुसार गाय के गोबर से पुताई किया हुआ घर रेडियोधर्मी तरंगों से सुरक्षित रहता है। यज्ञ में घी के प्रयोग से आक्सीजन उत्पन्न होती है। शहरी कचरे पर गाय के गोबर का छिड़काव करने से सारी दुर्गंध दूर हो जाती है और कचरे खाद में परिवर्तित हो जाते हैं। कई अध्ययनों में यह दावा किया गया है कि फसलों का उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ गाय के गोबर से उगाई गई फसल वाले अन्न खाने से कई प्रकार की बीमारियों से छुटकारा मिल सकता है। शुष्क जलवायु और पानी की कमी वाले देशों में कृषि का पेशा काफी दुष्कर होता है। कुवैत जैसे देश जैविक खेती के लिए खाद तैयार करने हेतु भारत से गाय के गोबर का आयात कर रहे हैं। मानव सभ्यता में हर जगह गाय को शुभ माना गया है और यह करूणा एवं पवित्रता का प्रतीक है। यह हमारे सामाजिक-आर्थिक जीवन की रीढ़ भी है। गाय की रक्षा एवं संरक्षण का संबंध किसी विशेष धर्म या आस्था से नहीं है। गाय भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है और अपनी संस्कृति को बचाना प्रत्येक देशवासी का परम कर्तव्य है, चाहे वह किसी भी मत या पूजा- पद्धति का उपासक हो। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने पवित्र गंगा और यमुना नदियों को जीवंत मानव के रूप में कानूनी मान्यता संबंधी आदेश पारित किया है। इसी तरह गाय को भी वैधिक जीवंत मानव का दर्जा दिया जाना चाहिए। मानव जाति और प्रकृति को प्रदान किए जाने वाले असीम लाभ को दृष्टिपथ में रखते हुए गाय राष्ट्रीय पशु बनने की पात्रता रखती है।

विशेष

भारतीय राजनीति के एक लौह पुरुष लालकृष्ण आडवाणी

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

भारतीय जनता पार्टी और देश के सबसे वरिष्ठ नेता, पूर्व उप प्रधानमंत्री भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी का 8 नवंबर को जन्मदिवस है। आडवाणी आज 97 वर्ष के हो गये है। सियासत में शुचिता के पैरोकार और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के झंडाबरदार आडवाणी को इस वर्ष देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। जुलाई 2024 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल कृष्ण आडवाणी को उनके घर जाकर भारत रत्न से सम्मानित किया था। आडवाणी को 2015 में देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। लौह पुरुष के नाम से देशभर में ख्यात लाल कृष्ण आडवाणी किसी परिचय के मोहताज़ नहीं है। जनसंघ के संस्थापक सदस्य और भाजपा के पितृ पुरुषों में शामिल आडवाणी का जन्म 8 नवंबर 1927 को वर्तमान पाकिस्तान के कराची में हुआ था। आडवाणी का जन्म 8 नवम्बर 1927 को अविभाजित भारत के कराची में एक सिंधी परिवार में हुआ था। इनके पिता जी का नाम किशनचन्द और माता का नाम ग्यानी देवी था। लालकृष्ण आडवाणी ने फरवरी 1965 में कमला आडवाणी से शादी की थी और उनसे उनके दो बच्चे हुए। उनका बेटा जयंत और बेटी प्रतिभा है। लाल कृष्ण आडवाणी के सार्वजनिक जीवन की शुरुआत वर्ष 1947 से मानी जाती है। वे छात्र जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए थे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की, तो लाल आडवाणी पार्टी से जुड़ गए।

अटल-आडवाणी के जोड़ीदार आडवाणी को पहले जनसंघ और फिर भाजपा को सशक्त और ऊंचाइयों पर पहुँचाने का श्रेय दिया जाता है। भले ही जीवन के वानप्रस्थ में पहुंचे आडवाणी आज भाजपा के मार्गदर्शक मंडल में है मगर देशभर में उनकी लोकप्रियता आज भी कायम है। आडवाणी की कभी पूरे देश में तूती बोला करती थी और उन्हें प्रधानमंत्री पद का प्रबल दावेदार माना जाता था। आडवाणी के प्रशंसक उनकी तुलना सरदार पटेल से करते हैं। इस दौरान देशभर में अटल बिहारी वाजपेयी की लोकप्रियता और लालकृष्ण आडवाणी की कुशल संगठनकर्ता के रूप में पहचान कायम हुई। 1990 में रामरथ यात्रा के जरिये भाजपा की विचारधारा और संगठन को विस्तारित करने की नीति जन-जन तक पहुंचाने में आडवाणी की अहम भूमिका रही थी।

1970 में वह राज्यसभा के सदस्य बने और 1989 तक इस पद पर बने रहे। 1973 में उन्हे भारतीय जनसंघ को अध्यक्ष चुना गया और 1977 तक उन्होंने पार्टी का संचालन किया। जनता पार्टी के नेतृत्व वाली मोरारजी देसाई की गठबंधन सरकार में सूचना और प्रसारण मंत्री बने। वर्ष 1984 के आम चुनाव ऐसे वक्त में हुए जब कांग्रेस इंदिरा गांधी की हत्या से पैदा सहानुभूति की लहर पर सवार थी। इन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को महज दो सीटें मिली थीं। ये आडवाणी ही थे जिन्होंने अपनी अद्भुत सांगठनिक योग्यता के बल पर भाजपा को सत्ता के नज़दीक पहुंचा दिया। 1980 में भारतीय जनता पार्टी के गठन के बाद से ही आडवाणी वह शख्स हैं जो सबसे ज्यादा समय तक पार्टी में अध्यक्ष पद पर बने रहे हैं। आडवाणी ने भाजपा को एक राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बनाने के लिए अपना पूरा समय दिया और इसका परिणाम तब सामने आया, जब 1984 में महज 2 सीटें हासिल करने वाली पार्टी को लोकसभा चुनावों में 86 सीटें मिली जो उस समय के लिहाज से काफी बेहतर प्रदर्शन था। 1986 में लाल कृष्ण आडवाणी बीजेपी के नए अध्यक्ष बन गए। बीजेपी की कमान लालकृष्ण आडवाणी के हाथों में थी। बीजेपी को हिंदुत्व के रास्ते पर ले जाने वाले आडवाणी ही थे। आडवाणी ने आक्रामक हिंदुत्व नीति अपनाकर बीजेपी को नयी दिशा दी और बीजेपी धीरे-धीरे लोगों के बीच जगह बनाने में कामयाब हुई।

पार्टी 1992 में 121 सीटों और 1996 में 161 पर पहुंच गई। राम मंदिर आंदोलन से अपने राजनीतिक करियर शुरू करने वाले आडवाणी को 1998 में पहली बार भाजपा को सत्ता का स्वाद चखाने का श्रेय दिया जाता है। आजादी के बाद पहली बार कांग्रेस सत्ता से बाहर थी और बीजेपी सबसे अधिक संख्या वाली पार्टी बनकर उभरी थी। आडवाणी तीन बार बीजेपी के अध्यक्ष रहे, पहली बार 1986 से 1991 तक तो दूसरी बार साल 1993 में आडवाणी एक बार फिर बीजेपी के अध्यक्ष बने और 1998 तक इस पद पर रहे। जिन्ना प्रकरण के चलते उन्हें 2006 में पार्टी अध्यक्ष का पद छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। भाजपा के कर्णधार कहे जाने वाले लालकृष्ण आडवाणी कभी लौह पुरुष और कभी पार्टी का असली चेहरा बताया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी कभी आडवाणी के करीबी सहयोगियों में हुआ करते थे। साल 2009 में बीजेपी आडवाणी के चेहरे को आगे कर चुनाव लड़ी, लेकिन सत्ता में नहीं आ सकी। ऐसे में 2013 में बीजेपी ने नरेंद्र मोदी के चेहरे को आगे कर दिया, तो आडवाणी एक बारगी नाराज हुए लेकिन जब प्रचंड बहुमत से भाजपा सत्ता में आईं तो आडवाणी ने नरेंद्र मोदी की प्रशंसा में कोई कसर नहीं छोड़ी।

नजरिया

ट्रंप की वापसी के बाद क्या बदलेगी बांग्लादेश की तस्वीर?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने के तुरंत बाद, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना ने उन्हें बधाई संदेश भेजा। इस संदेश में हसीना ने ट्रंप की नेतृत्व क्षमता और अमेरिकी जनता द्वारा उन पर दिखाए गए विशाल विश्वास की सराहना की। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि ट्रंप के नए कार्यकाल में बांग्लादेश और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे।शेख हसीना का यह कदम बांग्लादेश की राजनीतिक परिदृश्य में खेला की वापसी का संकेत माना जा रहा है। हसीना इस समय दिल्ली में हैं, माना जा रहा है कि वो ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद अमेरिका का दौरा कर सकती हैं। इससे दोनों देशों के संबंधों को नई दिशा देने की संभावना है।

शेख हसीना का ट्रंप को भेजा गया यह संदेश को साधाराण या औपचारिक बधाई नहीं है। यह बांग्लादेश में उनकी सियासी वापसी की दिशा में एक रणनीतिक पहल भी माना जा रहा है। वहीं, बांग्लादेश सरकार के मौजूदा प्रमुख मोहम्मद यूनुस की क्लिंटन परिवार और डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं से नजदीकी रिश्तों के चलते हसीना को ट्रंप प्रशासन में और भी समर्थन मिल सकता है। यूनुस के अमेरिका में मजबूत संपर्क और बाइडेन प्रशासन में उनकी घनिष्ठता के बावजूद, हसीना का यह कदम कहीं न कहीं उन पर एक तरह का दबाव बना सकता है। अमेरिका के कूटनीतिक दबाव के कारण भारत के अलावा फिलहाल कोई अन्य देश शेख हसीना को मदद और वीजा देने में संकोच कर रहा है। ऐसे में, शेख हसीना के इस बधाई संदेश से साफ है कि वह अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने में सक्रिय हो गई हैं।

मौजूदा समय में बांग्लादेश के मुखिया बने मोहम्मद यूनुस को ट्रंप जरा भी पसंद नहीं करते। दरअसल यूनुस पर आरोप हैं कि 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में यूनुस ने ट्रंप के खिलाफ फंडिंग की थी, तब से ट्रंप उनसे नाराज हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दिवाली के मौके पर एक पोस्ट की थी। 2016 में ट्रंप जब पहली बार चुनाव जीते थे तब युनूस ने कहा था कि उनकी जीत सोलर एक्लिप्स की तरह है। उजाला एक दिन जरूर आएगा। माना जा रहा है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद युनूस अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी के ज्यादा करीबी हैं। बिल क्लिंटन, बराक ओबामा, जो बाइडेन से उनकी ज्यादा बनती है। युनूस कई बार ट्रंप की आलोचना कर चुके हैं। ट्रंप ने हाल में बांग्लादेश के मौजूदा हालात पर कहा था कि वहां पर जो हो रहा है वो सही नहीं है। ट्रंप बांग्लादेशी हिंदू के लिए भी आवाज उठा चुके हैं। माना जा रहा है कि वो अब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर दबाव डालेंगे। वो बोलेंगे कि शेख हसीना की पार्टी पर जो भी एक्शन हो रहा है उसे बंद किया जाए। देश में जल्द से जल्द चुनाव कराया जाए और लोगों को ही फैसला लेने दिया जाए कि वो किसकी सरकार चाहते हैं। उसमें उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हुई हिंसा और उनकी सुरक्षा का मुद्दा उठाया था। उन्होंने अमेरिका ही नहीं दुनियाभर के हिंदुओं की रक्षा का वादा किया था। ऐसे में माना जा रहा है कि ट्रंप बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों को लेकर मोहम्मद यूनुस को माफ करने के मूड में नही हैं। अवामी लीग के आधिकारिक फेसबुक पेज पर जारी बयान में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने डोनाल्ड ट्रंप और मिलेनिया ट्रंप के साथ उनके पहले राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान हुई मुलाकात को याद किया। साथ ही बांग्लादेश और संयुक्त राज्य अमेरिका की द्विपक्षीय रिश्तों को आगे बढ़ाने की तरफ काम करने की इच्छा जताई।

गौरतलब है कि बांग्लादेश को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की सोच उनके पहले राष्ट्रपति कार्यकाल में स्पष्ट हो गई थी। डोनाल्ड ट्रंप का बांग्लादेश के प्रति एक झुकाव है। वह बांग्लादेश का एक लोकतंत्र समर्थक देश के तौर पर देखते हैं। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान जारी करके बांग्लादेश में हिंदूओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जाहिर की थी और इस मामले को अमेरिकी हिंदूओं को दिल के बेहद करीब बताया था। उन्होंने अमेरिका समेत पूरे विश्व में हिंदू समुदाय की अधिकारों की सुरक्षा करने की बात कही थी। इसी कारण यह आशा जागी है कि डोनाल्ड ट्रंप की जीत का सबसे ज्यादा असर जिनि देशों पर होने वाला है, उनमें बांग्लादेश भी है। यह साबित हो चुका है कि पूर्व राष्ट्रपित जो बाइडन ने एक खास रणनीति के तहत शेख हसीना सरकार का तख्तापलट करवाया। उन्हें अपना ही देश छोड़कर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे भारत को झटका लगा। लेकिन बांग्लादेश की राजनीति पर नजर रखने वालों का मानना है कि ट्रंप की जीत से पूरा खेल बदलने वाला है। एक बार फिर बांग्लादेश में भारत का दबदबा होगा। यह जीत शेख हसीना के लिए भी खुशखबरी लेकर आई है। एक और बात बांग्लादेश की अंतरिम सरकार चला रहे मुहम्मद यूनुस डोनाल्ड ट्रंप के कटु आलोचक रहे हैं। कई बार उनके खिलाफ बयानबाजी भी की है। अब उनके भविष्य पर भी संकट खड़ा होगा।

ढाका ट्रिब्यून में कूटनीतिक मामलों के जानकार शफकत रब्बी ने इस पर एक लेख लिखा है। उन्होंने बताया कि ट्रंप की जीत का बांग्लादेश पर क्या असर होने वाला है। भारत से रिश्ते कैसे बदल जाएंगे। उन्होंने लिखा है, ट्रंप की विदेश नीति अमेरिका फर्स्ट रहने वाली है। लेकिन इसके बाद वे बाइडन युग के सभी विवादित मसलों को सुलझाएंगे। यूक्रेन संकट हो या अमेरिका-मेक्सिको बॉर्डर क्राइसिस या फिर मिडिल ईस्ट की स्थिति बांग्लादेश के लिए उनका आना बेहद अहम है। क्योंकि बांग्लादेश में अब जो कुछ होगा, वह ट्रंप की रडार पर होगा।

डोनाल्ड ट्रंप खुलकर कह चुके हैं कि बांग्लादेश में हिन्दुओं का उत्पीड़न वे बर्दाश्त नहीं करने वाले। अब उसका असर साफ-साफ दिखेगा। बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथ और हिन्दुओं के उत्पीड़न से जुड़ी बातें अब उनके पास सीधे-सीधे जाएंगी। शेख हसीना के सहयोगियों और ट्रंप प्रशासन में सीधा दखल रखने वाले प्रवासी भारतीयों के बीच घनिष्टि रिश्ता है।

इसका वे फायदा उठाएंगे। बताएंगे कि किस तरह बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथ बढ़ रहा है। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में भी इस्लामी कट्टरपंथ के खात्मे की बात कहते रहे हैं। वहां की मीडिया का रुख भी बदल जाएगा और इन सबका फायदा शेख हसीना की पार्टी को मिलने वाला है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिंधिया पर कांग्रेस का पलटवार

‘नए आकाओं’ के प्रति वफादारी साबित करनी होती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एक लेख को लेकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा किए गए हमले के बाद बृहस्पतिवार को उन पर पलटवार करते हुए कहा कि वह उन लोगों को अपमानित करके अपने नए आकाओं के प्रति वफादारी साबित करने में लगे हैं जिन्होंने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि कांग्रेस में रहते सिंधिया को उससे कहीं अधिक मिला जिसके वह हकदार थे। राहुल गांधी ने बुधवार को अंग्रेजी दैनिक ‘इंडियन एक्सप्रेस’ में लिखे एक लेख में कहा था कि ‘ईस्ट इंडिया कंपनी’ भले ही बहुत पहले खत्म हो गई हो, लेकिन उसने जो डर पैदा किया था, वह आज फिर से दिखाई देने लगा है और एकाधिकारवादियों की एक नयी पीढ़ी ने उसकी जगह ले ली है।

इसमें उन्होंने कुछ ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का उल्लेख भी किया था। उनके इस लेख का जिक्र करते हुए सिंधिया ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, नफरत बेचने वालों को भारतीय गौरव और इतिहास पर व्याख्यान देने का कोई अधिकार नहीं है। भारत की समृद्ध विरासत के बारे में उनकी (राहुल की) अज्ञानता और उनकी औपनिवेशिक मानसिकता ने सभी सीमाएं पार कर ली हैं। उन्होंने कहा, यदि आप राष्ट्र के ‘उत्थान’ का दावा करते हैं, तो भारत माता का अपमान करना बंद करें और महादजी सिंधिया, युवराज बीर टिकेंद्रजीत, कित्तूर चेन्नम्मा और रानी वेलु नचियार जैसे सच्चे भारतीय नायकों के बारे में जानें, जिन्होंने हमारी आजादी के लिए जमकर लड़ाई लड़ी।

सिंधिया का नाम लिए बगैर उन पर पलटवार करते हुए रमेश ने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, विशेषाधिकार के भाव से भरे जो व्यक्ति उपदेश दे रहे हैं, उनके पिता (माधवराव सिंधिया) ने राजसी विशेषाधिकारों को ख़त्म करने के इंदिरा गांधी के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। लेकिन कुछ साल बाद वह कांग्रेस में शामिल हो गए और राजनीतिक रूप से समृद्ध हुए। उन्होंने अपने बेटे को विरासत सौंपी...कांग्रेस में उन्हें उससे कहीं अधिक मिला जिसके वे हकदार थे। उन्होंने दावा किया, अब उन्हें हर दिन उन लोगों को बदनाम और अपमानित करके अपने नए आकाओं के प्रति अपनी वफादारी साबित करनी होती है जिन्होंने इस मुकाम तक पहुंचाने की बुनियादी रखी। यह बहुत ही दयनीय है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सिंधिया पर पलटवार करते हुए बृहस्पतविार को ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, सिंधिया जी, आपने राहुल जी के एकाधिकारवादी निगम पर हमले को थोड़ा व्यक्तिगत ले लिया। इस निगम ने अपने शिकंजे से भारत के नवाबों और राजे-रजवाड़ों को डरा-धमकाकर भारत को गुलाम बनाकर हमें लूटने का काम किया था।

आंध्र प्रदेश में बिजली का करंट लगने से चार लोगों की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में बिजली का करंट लगने से चार लोगों की मौत हो गई और अन्य एक घायल हो गया। यह घटना उंद्रजावरम मंडल के तदिपरु गांव में रविवार रात में घटी। लोग सरदार सर्वराय पापन्ना गौड़ की प्रतिमा के अनावरण की तैयारी कर रहे थे, तभी यह घटना हो गई।

एक्टर सुमन स्वतंत्रता सेनानी की प्रतिमा का अनावरण करने वाले थे। पुलिस ने बताया कि पीड़ित फ्लेक्सी लगा रहे थे, तभी वे बिजली के तार की चपेट में आ गए। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांचवां गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान बोल्ला वीरराजू, पमरती नागेंद्र, मारिसेटी मणिकांठा और कासगनी कृष्णा के रूप में हुई है। शवों को तनुकू के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। वहीं घायल अन्नातराव को तनुकू क्षेत्र के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पूजा

पटना में गुरुवार को छठ पूजा उत्सव के अवसर पर श्रद्धालु गंगा नदी के तट पर पूजा-अर्चना करते हुए।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल का संबंधों पर पड़ने वाले असर का आकलन करेंगे 50 यूरोपीय नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुडापेस्ट(हंगरी), सात नवंबर (एपी) यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और नाटो महासचिव मार्क रूट सहित लगभग 50 यूरोपीय नेता अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद संबंधों पर पड़ने वाले असर का आकलन करेंगे। पहले से ही जटिल आर्थिक स्थिति को और मुश्किल बनाते हुए, यूरोप की आर्थिक महाशक्ति जर्मनी, जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज द्वारा अपने वित्त मंत्री को बर्खास्त करने के बाद राजनीतिक संकट में फंस गई है। यह घटनाक्रम कुछ महीनों में चुनाव होने और यूरोप में कट्टर दक्षिणपंथी और प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच एक और गतिरोध की आशंका को बढ़ाता है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा कि इन दो घटनाओं ने साथ मिलकर स्थिति को और गंभीर बना दिया है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव का असर पड़ना अभी बाकी है। यूरोपीय परिषद के प्रमुख चार्ल्स मिशेल ने कहा, अमेरिका के साथ हमारा संबंध महत्वपूर्ण है और हम इसे प्रगाढ़ करने के लिए तैयार हैं। ब्रिटेन, तुर्की और बाल्कन देशों के नेताओं के शाम में रवाना होने के शीघ्र बाद यूरोपीय संघ (ईयू) के 27 देश एक अलग शिखर बैठक करेंगे। अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान, ट्रंप ने यूरोप के साथ व्यापार युद्ध से लेकर उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) प्रतिबद्धताओं को वापस लेने और रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन के समर्थन में बुनियादी बदलाव लाने तक की बात कही थी - ये सभी मुद्दे पूरे यूरोप के देशों के लिए क्रांतिकारी परिणाम ला सकते हैं। शिखर सम्मेलन के मेजबान और ट्रंप के प्रशंसक, हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने बृहस्पतिवार सुबह कहा कि उन्होंने रात में ट्रंप के साथ फोन पर बात की, और घोषणा की कि हमारे पास भविष्य के लिए बड़ी योजनाएं हैं! इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने रोम और वाशिंगटन को एक सूत्र में पिरोने वाली गहरी और ऐतिहासिक रणनीतिक साझेदारी की सराहना की। यह साझेदारी ट्रंप के प्रथम कार्यकाल के दौरान, 2017 से 2021 तक निरंतर दबाव में रही। पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन ने विदेशी उत्पादों के अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा होने के दावों के आधार पर यूरोपीय संघ के इस्पात और एलुमिनियम पर 2018 में शुल्क लगा दिया था। यूरोपीय और अन्य सहयोगियों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिका निर्मित मोटरसाइकिल, बर्बन व्हिस्की, पीनट बटर और जींस सहित अन्य वस्तुओं पर शुल्क लगा दिया।

अमेरिकी चुनाव परिणाम का प्रभाव यूरोप में आने वाले वर्षों में महसूस किया जा सकता है।

भारतीय अधिकारी ने अफगान रक्षा मंत्री से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री मुल्ला मोहम्मद याकूब से मुलाकात कर उनके देश के कारोबार के लिए ईरान स्थित चाबहार बंदरगाह के उपयोग की पेशकश की तथा काबुल को मानवीय सहायता प्रदान करने पर भी चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में पाकिस्तान-अफगानिस्तान-ईरान प्रभाग के संयुक्त सचिव जे.पी. सिंह ने किया। यहां साप्ताहिक मीडिया वार्ता के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने मोहम्मद याकूब के अलावा पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों तथा संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के प्रमुखों से भी मुलाकात की।

जायसवाल ने एक सवाल के जवाब में कहा, उन्होंने भारत की मानवीय सहायता के साथ ही इस बात पर भी चर्चा की कि किस प्रकार चाबहार बंदरगाह का उपयोग अफगानिस्तान में व्यापारिक समुदाय द्वारा लेन-देन, आयात-निर्यात तथा अन्य किसी कार्य के लिए किया जा सकता है...। भारत 2021 से अफगानिस्तान पर शासन कर रहे तालिबान शासन को मान्यता नहीं देता है।

भारत समय-समय पर अफगान लोगों को गेहूं, दवाइयां और चिकित्सा आपूर्ति सहित मानवीय सहायता प्रदान करता रहा है। जायसवाल ने कहा, मैं यहां यह भी याद दिलाना चाहता हूं कि अफगानिस्तान को मानवीय सहायता प्रदान करना हमारे सहायता कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और पिछले कुछ महीनों तथा कुछ वर्षों में हमने मानवीय सहायता की कई खेपें भेजी हैं।

अफगानिस्तान के लोगों के साथ हमारे दीर्घकालिक संबंध हैं और ये संबंध देश के प्रति हमारे दृष्टिकोण को निर्देशित करते रहेंगे। इस वर्ष की शुरुआत में भारत ने ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह के विकास और संचालन के लिए 10 साल का अनुबंध किया था। चाबहार बंदरगाह को भारतीय सहायता से बनाया गया है।

तमन्ना भाटिया अभिनीत ‘सिकंदर का मुकद्दर’ 29 को होगी रिलीज़

मुंबई/एजेन्सी

पैन-इंडिया स्टार तमन्ना भाटिया की मुख्य भूमिका वाली ‘सिकंदर का मुकद्दर’ की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। फिल्म के स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि फिल्म 29 नवंबर 2024 को रिलीज होगी। सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए उन्होंने कैप्शन दिया, तीन आरोपी, लेकिन कौन अपराधी? केस जल्दी ही खुलेगा। वॉच सिकंदर का मुकद्दर, आउट 29 नवंबर, ओनली ऑन नेटफ्लिक्स! हाल ही में नेटफ्लिक्स द्वारा घोषित की गई इस फिल्म में तमन्ना के साथ जिमी शेरगिल और अविनाश तिवारी भी हैं। ‘सिकंदर का मुकद्दर’ में तमन्ना एक बिल्कुल नई और डायनामिक रोल में नज़र आएंगी, जो उनके पोर्टफोलियो में एक नया एडिशन होगा। उनके किरदार को यूनिक बताया जा रहा है, जो एक एक्साइटिंग ट्विस्ट लेकर आएगा और इसने उनके फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। नेटफ्लिक्स द्वारा स्निपेट और बिहाइंड द सीन्स फुटेज रिलीज़ किए जाने के बाद से ही फिल्म को लेकर काफी चर्चा हो रही है। इसमें तमन्ना को इंटेन्स एक्शन पैक्ड सीन्स करते हुए दिखाया गया है, जिससे उत्सुकता और बढ़ गई है। इसके अलावा, तमन्ना ने हाल ही में अपनी बहुप्रतीक्षित तेलुगु फिल्म ‘ओडेला 2’ की शूटिंग पूरी की है, जो जल्द ही रिलीज़ होने वाली है। उन्होंने तमिल हिट फिल्म ‘अरनमनई 4’ के साथ 2024 की धमाकेदार शुरुआत की, जिसने तमिल बॉक्स ऑफ़िस पर रफ पैच को खत्म करते हुए छ100 करोड़ से ज़्यादा की कमाई की।

फिल्म ‘भागमभाग’ का बनेगा सीक्वल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार की फिल्म भागमभाग का सीक्वल बनाया जा सकता है। प्रयिदर्शन के निर्देशन में बनीं वर्ष 2006 में प्रदर्शित सुपरहटि कॉमडिी फल्मि भागम भाग अक्षय कुमार, गोविंदा और परेश रावल ने मुख्य भूमिका निभायी थी। चर्चा है कि सरिता अश्विन वर्दे ने भागम भाग के राइट्स खरीद लिए हैं। शेमारू एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर वह इस फिल्म का निर्माण करेगी। लेखकों की एक नई टीम के साथ मिलकर फिलहाल स्क्रिप्ट पर काम किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि यदि सब कुछ प्लान के मुताबिक हुआ, तो भागम भाग 2 की शूटिंग 2025 के अंत तक शुरू हो जाएगी। वर्ष 2026 में इसे रिलीज भी किया जा सकता है।

मुलाकात

विदेश मंत्री एस. जयशंकर गुरुवार को सिडनी में एनएसडब्ल्यू संसद में भारतीय प्रवासियों और सांसदों से मिलते हुए।

5 जून को रिलीज़ होगी फिल्म ‘ठग लाइफ’

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मेगास्टार कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ, 05 जून 2025 को रिलीज होगी।

कमल हासन के जन्मदिन पर, उनकी 234वीं फ़िल्म, ठग लाइफ़ के निर्माताओं ने टीज़र और रिलीज़ की तारीख का खुलासा करके उत्साह की लहर जगा दी है।ठग लाइफ़ भारतीय सिनेमा के दो दिग्गजों - निर्देशक मणिरत्नम और महान कलाकार कमल हासन के बीच सहयोग है।

मणिरत्नम के दूरदर्शी निर्देशन, ए.आर. रहमान के शानदार संगीत और कमल हासन के बेजोड़ कौशल के साथ, दर्शकों को एक शानदार एक्शन फिल्म के ज़रिए एक अविस्मरणीय सवारी का अनुभव होगा।

प्रोडक्शन हाउस द्वारा हिज़ स्टोरी, हिज़ रूल्स शीर्षक के साथ जारी किए गए टीज़र ने पहले ही लोगों का दिल जीत लिया है। कमल हासन, मणि रत्नम, आर. महेंद्रन और शिव अनंत द्वारा निर्मित और मणि रत्नम द्वारा निर्देशित और ए.आर. रहमान द्वारा संगीतबद्ध, ठग लाइफ में कमल हासन, सिलंबरासन टीआर, त्रिशा, अभिरामी और नासिर की अहम भूमिका है। यह फिल्म 05 जून, 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

22 को रिलीज होगी ‘ठुकरा के मेरा प्यार’

मुंबई/एजेन्सी

श्रद्धा पासी जयरथ द्वारा निर्देशित और बॉम्बे शो स्टूडियोज एलएलपी द्वारा निर्मित शो ठुकरा के मेरा प्यार 22 नवंबर से डिज्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। डिज्नी+ हॉटस्टार के नये रोमांटिक शो ’ठुकरा के मेरा प्यार’ में दर्शकों को प्यार, धोखा और बदला सब कुछ देखने को मिलेगा। इस सीरीज़ में पेचीदा किरदारों तथा दिल को झकझोर देने वाली कहानी का ताना-बाना है। शो में कुलदीप (धवल ठाकुर) और शानविका (संचिता बसु) नाम के दो किशोरों की कहानी है, जो एक-दूसरे से बहुत प्यार करते हैं लेकिन जाति और वर्ग की वजह से उनके रास्ते अलग हो जाते हैं। उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित है इस दिलचस्प कहानी में प्यार, धोखे, और बदले का एक जटिल जाल बिछा हुआ है। ‘ठुकरा के मेरा प्यार’ का निर्माण बॉम्बे शो स्टूडियोज एलएलपी ने और निर्देशन श्रद्धा पासी जयरथ ने किया है। इस सीरीज के साथ प्रतिभाशाली धवल ठाकुर और संचिता बसु डेब्यू कर रहे हैं और गोविंदा पांडे के साथ महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आयेंगे।

शो की निर्देशक श्रद्धा पासी जयरथ ने कहा, ‘‘ठुकरा के मेरा प्यार’ सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं है, बल्कि धोखेबाजी, पूर्वाग्रह तथा मानवीय भावनाओं की पेचीदगी जैसे विषयों की गहराई में जाती है। इस सीरीज में हम कॉलेज के क्लासिक रोमांस को आधुनिक नजरिये से मिलाना चाहते थे। धवल और संचिता जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ हम उम्मीद करते हैं कि दर्शक इस क्लासिक रोमांस का मजा लेंगे। यह मौका देने के लिये मैं डिज्नी+ हॉटस्टार का धन्यवाद करती हूँ और मैं दर्शकों की प्रतिक्रिया का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।’’

कुलदीप की भूमिका निभा रहे धवल ठाकुर ने कहा, ‘‘कुलदीप के किरदार को समझने के लिए मैंने खुद को पूरी तरह से उसकी दुनिया में डुबो दिया। मैंने स्क्रिप्ट, निर्देशन और पूरी प्रक्रिया पर भरोसा किया, जिससे मुझे किरदार के सफर को सही तरीके से निभाने में मदद मिली। एक एक्टर के रूप में ये अनुभव बहुत ही संतोषजनक रहा। ‘ठुकरा के मेरा प्यार’ को बड़ी बारीकी से लिखा गया है और इसके अलावा टीम ने वर्कशॉप्स से तथा जानकारियों को साझा करके कुलदीप का किरदार निभाने में मेरी काफी मदद की। मुझे बेसब्री से इंतज़ार है कि डिज्नी+हॉटस्टार पर हमारी मेहनत देखकर दर्शकों की राय क्या होगी।

’’ शानविका का किरदार निभाने वालीं अभिनेत्री और इंफ्लूएंसर संचिता बसु ने कहा, ‘‘शानविका की भूमिका निभाना आजादी पाने जैसा अनुभव था। उसका उन्मुक्त और बेफिक्र स्वभाव ही उसके किरदार को परिभाषित करता है। ‘ठुकरा के मेरा प्यार’ उन फिल्मों को दिया गया सम्मान है, जिन्होंने मुझे प्यार की समझ दी है। नये और जाने-पहचाने चेहरों को देखने से मुझे राहत मिली और एक को-स्टार के तौर पर धवल ने जो मदद की, वह स्वाभाविक रूप से हमारी दोस्ती में बदल गई। मैं खुद को स्क्रीन पर देखने और डिज्नी+ हॉटस्टार पर मेरे परफॉर्मेंस को लेकर दर्शकों की प्रतिक्रिया का उत्सुकता से इंतजार कर रही हूँ।’’

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

सनातन धर्म एवं सनातन संस्कृति का सनातन काल से प्रचलित लोक आस्था एवं विश्वास का महापर्व छठ पूजा का उत्साह पूरे शहर में चरम पर है।

रक्तदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कर्नाटक रक्षणा वेदिके एवं आपतबांधव चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में चंद्रा लेआउट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए तथा युवाओं को प्रोत्साहित किया। एकत्रित रक्त का संग्रहण लायंस ब्लड बैंक ने किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रसाद शेट्टी ने अतिथियों को सम्मानित किया।

मोह के पाश अत्यन्त भयंकर होते हैं : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक हनुमंतनगर के तत्त्वावधान चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि संसार एक ऐसा पाश है, ऐसा मायाजाल हैं जिसमें उलझना बहुत सहज है मगर उसे सुलझा पाना अति दुष्कर कार्य है। मोह के पाश अत्यन्त भयंकर होते हैं। कई-कई बार तो त्यागी आत्माएं भी इस मोह के जाल में फंस जाती है। संसार में मात्र एक धर्म ही है जो संसार रुपी समुद्र में डूबते हुए जीव की रक्षा के लिए नाव रुप बनता है।

संसार में यदि कोई सच्चा शरणभूत है तो वो है धर्म। माता मरुदेवी के अपने पुत्र तीर्थकर परमात्मा श्री आदिनाथ के प्रति रहा वात्सल्यता के भावों से भरा मोह-ममत्व के भावपूर्ण कथानक पर रोशनी डालते हुए कहा कि यह क्षणिक मोह में भी जीवात्मा के मुक्ति में बाधक हैं। संसार के रिश्ते, परिवार जन, घन, बन्धुजन व स्वजन अशुभ कर्मी के फल भोग के समय साथ नहीं निभाते है। सच्चे रिश्ते यदि देखें तो सत्य हमारी माता हैं ज्ञान पिता है, धर्म भाई है, दया हमारा सच्चा मित्र हैं, सच्ची शान्ति ही पत्नी है, क्षमा सपूत पुत्र है, बस यही छः सगे बान्धव है, बाकी सब रिश्ते स्वार्थ के और मोह जनित है। धर्मसभा में गुरुवार को दया व्रत साधना करने वालो का संघ की ओर से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री सुरेशकुमार धोका ने किया ।

सम्मेलन

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गुरुवार को देहरादून में 'प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन' में शामिल हुए।

टेकड़ीवाल फिर बने दादी धाम प्रचार समिति के अध्यक्ष, चौधरी बने सचिव

जनवरी में आयोजित वार्षिकोत्सव व चरणपादुका उत्सव की तैयारियों पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्री दादी धाम प्रचार समिति की बैठक व समिति के चुनाव एक होटल में हुई। इस बैठक में आगामी 4 व 5 जनवरी को आयोजित होने वाले वार्षिकोत्सव की व्यवस्थाओं के लिए कार्य विकेन्द्रीकरण व जिम्मेवारी सौंपने पर चर्चा हुई। इस चुनाव चयन बैठक में शिवकुमार टेकड़ीवाल को एक बार फिर समिति के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सर्वसम्मति से सौंपी गई।

अपने चयन पर शिवकुमार टेकड़ीवाल ने सभी को धन्यवाद देते हुए जनवरी माह में होने वाले वार्षिकोत्सव सह चरणपादुका उत्सव को सफल बनाने में हर संभव सहयोग की अपील की। टेकड़ीवाल ने इस कार्यक्रम के लिए संयोजक पद के लिए संजय नोपानी एवं बिमल जिलोका, सह संयोजक के लिए पंकज जालान,शंकर सुल्तानिया,संजय क्याल,मनीष महणसरिया, माया अग्रवाल, जया चौधरी, आशा बगड़िया व रचना डालमिया को नियुक्त किया। टेकड़ीवाल ने बताया कि नई कमेटी में सचिव संजय चौधरी, कोषाध्यक्ष प्रकाश चौधरी,उपाध्यक्ष गंगाधर मोर व अनूप अग्रवाल, सहसचिव संदीप झुनझुनवाला व संजय क्याल, सह कोषाध्यक्ष शशिकान्त गुप्ता, सांस्कृतिक मंत्री रामसुंदर बगड़िया व सिद्धार्थ नोपानी को बनाया गया है। इन पदाधिकारियों के अलावा कार्यकारिणी में 16 सदस्यों को शामिल किया है।

संयोजक संजय नोपानी ने बताया कि यह वार्षिकोत्सव जेपी नगर स्थित शुभ कन्वेंशन हॉल में होगा जिसमें झुंझनू मंदिर के चेयरमैन सहित पूरे देश से दादी भक्त शामिल होंगे। प्रकाश चौधरी ने बताया कि इस आयोजन में प्रियंका गुप्ता हैदराबाद, सुश्री रिया शर्मा भागलपुर मंगलपाठ व अभिषेक शर्मा कोलकाता भजनों की प्रस्तुति देंगे।

संजीव खेतान ने बताया कि कोलकाता के कारीगरों द्वारा दादीजी का भव्य दरबार सजाया जाएगा। संजय चौधरी ने बताया कि पश्चिम बंगाल का पारम्परिक नृत्य सिन्दूर खेला एवं झुंझनू मंदिर से आई चरण पादुका का अभिषेक सहित अनेक कार्यक्रमों होंगे। संजय चौधरी के धन्यवाद दिया।

'क्षमा, सरलता, कोमलता के त्रिवेणी संगम थे संतश्री गणेशीलाल'

गणेश बाग में गुरु गणेश का हुआ गुणानुवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन के सान्निध्य में गणेश बाग में गुरुवार को तपस्वी गुरु गणेशीलालजी महाराज का 145वां जन्मोत्सव तप त्याग से मनाया गया। इस मौके पर विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि धर्म के दो पक्षों में से आभ्यन्तर पक्ष यदि कमजोर हो रहा है तो अन्तिम सफलता बहुत ही कठिन मिलेगी। वर्तमान में बाह्य पक्ष पर ही आकर्षण ज्यादा से ज्यादा बढ़ता जा रहा है। 100 वर्ष पहले जब प्रवासी जैन समाज दक्षिण भारत में जिस धर्म और संस्कृति आचार विचार में जी रहा था, धर्म प्रीति-व्यवहार और सामाजिक प्रीति मानो गंगा-यमुना-सरस्वती की तरह प्रवाहित हो रही थी। बाह्य जीवन में अर्थ के साथ साथ सामाजिक संस्कृति धर्म में अहिंसा को सर्वोपरि स्थान दिया जाता था। वर्तमान मे धर्मस्थानक-मन्दिरों की संख्या तेज गति से बढ़े है और बढते ही जा रहे है। देव, गुरु की जन्म-स्मृति दिवसों पर खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता पर पूरा ध्यान रखा जाता है। मानसिकता मे धर्म के मूल बिंदु सत्य-अचौर्य-सदाचार अपरिग्रह-क्षमा-सरलता-कोमलता-निर्लोभता इन सर्वोच्च गुणों पर अंश रुप भी वाक धारा से सुनाकर इतिश्री कर हम धन्य धन्य हो जाते हैं। हकीकत यह है उस पुरुष जिन्होंने जीवन भर एकान्तर तप अनुकंपा, सम्यक्त्रत्न और सादगी से सम्पूर्ण जीवन जिया। ऐसे तपस्वीगुरु गणेशीलालजी की 145 वीं जयन्ती निमित धर्म में आभ्यन्तर गुण वृद्धि करना हमारा कर्त्तव्य है।

मुनिश्री ने कहा कि व्यक्ति एक सीमा तक ही रहता है परन्तु व्यक्तित्व यानी गुणों का आकर्षण सदैव सौरभ में बना रहना है। गुणों से ही गुणवान बनता है। गुणवानों का गुण गान करना भी एक उत्तम भाव है। आज संतश्री की जयंती पर हमें उनके गुणगान करना चाहिए और उनके बताए मार्ग पर अग्रसर होना चाहिए। इच्छाओं की बढ़ोतरी नहीं होनी चाहिए, सन्तोष नामक महान् गुण परम सुखदाता है। महामंत्री संपतराज मांडोत ने गुरु गुणगान किया। श्रद्धालुओं ने जन्मोत्सव के मौके पर 75 तपस्या हुई और गुरु के गुणगान हुए। संघ प्रवक्ता प्रसन्नचंद मांडोत ने सभी का स्वागत किया।

तातेड़ अब तक पचास बार कर चुके हैं रक्तदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के राजू तातेड़ ने राष्ट्रोत्थान ब्लड बैंक में अपना स्वयं का 50वां रक्तदान पूरा किया। 35 वर्षीय राजू तातेड़ ने बताया कि रक्तदान करना दूसरे के जीवन के साथ साथ हमारे अपने जीवन के लिए भी लाभदायक है। उन्होंने बताया कि अब तक उन्होंने 50 लोगों को एसडीपी रक्तदान(प्लेटलेट्स दान) किया है जिससे उन्हें आत्मसंतुष्टि मिली। तातेड़ ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की मदद करने में एक सुखद अनुभूति होती है। उन्होंने बताया कि प्लेट्लेट्स दान करना उनका सामाजिक मिशन के साथ साथ एक व्यक्तिगत मिशन भी बन गया है, वे कई वर्षों से डेंगू, कैंसर के उपचार, सर्जरी और रक्त विकारों से जूझ रहे रोगियों के लिए रक्तदान किया है। राष्ट्रोत्थान ब्लड बैंक के कर्मचारियों और समाज के विभिन्न गणमान्य लोगों ने तातेड़ की इस मानवसेवी पहल की सराहना की तथा 50वीं बार रक्तदान करने की उपलब्धि का जश्न मनाया।

मानव के अंत समय में साधु-साध्वी की सन्निधि मंगलकारी : साध्वीश्री सिद्धप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा भवन विजयनगर में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में संथारा साधिका कमलादेवी सुराणा के गुणानुवाद सभा आयोजित की गई। इस मौके पर साध्वीश्री ने श्रावक के तीन मनोरथ में संलेखना संथारा को विशेष बताया और कहा कि शहर में इस बार तीन संथारे का प्रत्याख्यान करवाया और तीनों संथारे के अंत समय में साध्वी वृन्द की उपस्थिति रही। सभा में साध्वीश्री मलययशा, आस्थाप्रभाजी, दीक्षाप्रभाजी ने गीतिका का गान किया। गुणानुवाद सभा में युवक परिषद् अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभा, तेयुप, महिलामंडल की ओर से भावांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन एवं गुरुदेव द्वारा प्राप्त पत्र का वाचन सुशील चौरड़िया ने किया।

साध्वीश्री कंचनकंवर का चातुर्मास जयनगर संघ में घोषित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ज्ञान पंचमी के अवसर पर जयनगर स्थानकवासी संघ के अध्यक्ष दीपचंद भंसाली, मंत्री पदमचंद बोहरा ने जयनगर संघ के महिला मंडल और युवक संघ के 51 सदस्यों के साथ चेन्नई में विराजित श्रमण संघीय युवाचार्यश्री महेंद्र ऋषिजी के दर्शन किए तथा वर्ष 2025 के चातुर्मास के लिए उपप्रवर्तिनीश्री कंचनकंवरजी के चातुर्मास के लिए निवेदन किया।

जयनगर संघ की ओर से सुरेशगुलेछा ने युवाचार्यश्री के समक्ष साध्वीश्री कंचनकंवरजी का चातुर्मास जयनगर संघ को प्रदान करने का निवेदन किया। युवाचार्यश्री ने विभिन्न विषयों को देखते हुए महासतीजी कंचनकंवरजी का चातुर्मास जयनगर संघ के लिए घोषित किया। चातुर्मास घोषणा से पूरे जयनगर व बेंगलूरु संघ में खुशी की लहर छा गई।

शहर में उल्लास व श्रद्धा से मनाया गया छठ पर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सनातन धर्म एवं सनातन संस्कृति का सनातन काल से प्रचलित लोक आस्था एवं विश्वास का महापर्व छठ पूजा का उत्साह पूरे शहर में चरम पर है। बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश व आसपास के राज्यों के प्रवासी समुदाय ने गुरुवार को सूर्य भगवान को प्रथम सायंकालीन अर्घ्य देकर विश्व शांति की कामना की। व्रतधारियों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कमर तक के जल में उतर कर अस्ताचल सूर्य की पूजा की। विभिन्न घाटों, कल्याणी व जलस्थानों पर उत्साह का माहौल रहा। छठ मैया के पारम्परिक गीतों से माहौल पूरा धर्ममय हो रहा था। श्रद्धालु अपने परिवार के साथ छठ पूजा में व्यस्त थे।

बेंगलूरु के हुल्लिमंगला रोड पर स्काई क्लासिक सोसायटी के तरण ताल में छठ पूजा करते हुए श्रद्धालुगण व अन्य।

छठ पूजा में एचएमटी ग्राउंड पर श्रद्धालुओं ने दिया सूर्य को अर्घ्य

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद एवं राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट बिहार भवन, आरटी नगर के संयुक्त तत्वावधान में श्रद्धालुओं ने एमएमटी ग्राउंड में कृत्रिम रूप से बनाए गए जलाशय में पूरे विधि विधान से पारम्परिक तरीके से छठ मैया को प्रथम अर्घ्य दिया और सूर्य की पूजा की। आयोजन में संयोजक हरिश्चंद्र झा, ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश्वर सिंह, परिषद अध्यक्ष एसके उपाध्याय, छठ पर्व की अध्यक्षा शीलासिंह सिंह, सचिव पंडित राजगुरु, मिंटू दुबे, विनय कुमार मनोज मिश्रा, विनोद कुमार, प्रवीण उपाध्याय आदि ने व्यवस्था संभाली।

भोजपुरी समिति छठ आयोजन में सांसद ने की छठ मैया की पूजा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय भोजपुरी समाज सेवा समिति के तत्वावधान में छठ पूजा का आयोजन आस्टिन टाउन स्थित नन्दन फुटबॉल स्टेडियम में किया गया।

संस्थापक अध्यक्ष एवं चेयरमैन संजयसिंह उज्जैन ने बताया कि श्रद्धालुओं के उत्साहपूर्वक तरीके से छठ पूजा की। बेंगलूरु मध्य के सांसद पी सी मोहन ने पांडाल में छठ मैया की पूजा की तथा उपस्थित सभी को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी।

राचनहल्ली में मनाया गया छठ पर्व

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के हेब्बाल स्थित नवयुवक मंगल दल समिति द्वारा राचनहल्ली लेक में लोक आस्था का पर्व छठ में श्रद्धालुओं ने सायंकालीन सूर्य को अर्घ्य दिया और सूर्य भगवान की पारम्परिक पूजा की। इस मौके पर समिति के संरक्षक उदयसिंह, हीरालाल मंडल, अध्यक्ष शत्रुघन सिंह, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पंडित आदि सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

ध्वजारोहण व अन्नदान कर खागा ने मनाया कन्नड़ राज्योत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के कर्नाटका होजरी एवं गारमेंट एसोसिएशन (खागा) ने हर्षोल्लास से मामुलपेट स्थित सरकारी स्कूल के पास ध्वजारोहण कन्नड़ राज्योत्सव मनाया। कन्नड़ नाड़ गीतों के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। खागा के अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने सभी का स्वागत किया एवं सभी सदस्यों को कन्नड़ भाषा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने का आह्वान किया। सचिव कैलाश बालर ने भी सभी को कन्नड़ राज्योत्सव की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर उपाध्यक्ष पीएच राजपुरोहित, नरपतसिंह राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष जोगेश जैन, संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा, जोगसिह पुरोहित. पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, दिलीप जैन, डूंगरमल चौपड़ा सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता व व्यापारी गण उपस्थित थे। कार्यक्रम के पश्चात अन्नदान का आयोजन किया गया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekant Parashar,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com